मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक
उल्हास विकास
■ वर्ष : 44 ■ अंक : 102 ■ गुरुवार, 3 जुलाई 2025 ■ पृष्ठ 4
3 रुपए
संपादक - हीरो अशोक बोधा BMM, L.L.B., M.A.
Mobile.:- 9822045566
@ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com
epaper.ulhasvikas.com

पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..

77 साल की मुमताज करवाती हैं फेस फिलर्स

मनपा में 'क्लब टेंडर' का पर्दाफाश

मनपा आयुक्त ने की एक और कठोर कार्रवाई

20 करोड़ रुपये के क्लब टेंडर रद्द

■ 151 अलग-अलग ई-टेंडर फिर से जारी

उल्हासनगर. पिछले कुछ वर्षों में उल्हासनगर शहर में विकास कार्यों के नाम पर विशेष ठेकेदारों द्वारा निविदा प्रक्रिया में अस्पष्टता, हेरफेर और मुनाफाखोरी का चलन बढ़ गया है। लाखों रुपए के छोटे-छोटे कार्यों को मिलाकर क्लब टेंडर्स के माध्यम से सीधे 20 करोड़ रुपए के चार बड़े टेंडर तैयार किए गए। इसके कारण कई छोटे और मध्यम ठेकेदारों को कोई अवसर नहीं मिल रहा था। हालांकि अब मनपा आयुक्त मनीषा आव्हाले ने इस टेंडर सेटिंग पर जोरदार तमाचा जड़ते हुए पूरी प्रक्रिया को रद्द कर दिया है और पारदर्शिता के नाम पर 151 अलग-अलग ई-टेंडर फिर से जारी किए हैं।

उल्हासनगर मनपा आयुक्त को इस संबंध में कई शिकायतें मिली थीं। उन्होंने तत्काल कार्रवाई करते हुए लोक निर्माण विभाग की जांच की और अधिशासी अभियंताओं के माध्यम से करीब 20 करोड़ रुपये की टेंडर प्रक्रिया को निलंबित व निरस्त कर दिया। चूंकि टेंडर में एक सैंपल के लिए 10 लाख रुपये का बजट था, इसलिए काम की प्रकृति के अनुसार कीमत निर्धारित

किए बिना ही लागत तय की जा रही थी।

■ मनपा प्रशासन के प्रति बढ़ेगा विश्वास

उल्हासनगर मनपा में निविदा प्रक्रिया में यह निर्णायक कार्रवाई पारदर्शी और जवाबदेह प्रशासन की शुरुआत है। प्रशासन ने 'क्लब टेंडर' जैसी गड़बड़ियों पर अंकुश लगाकर शहर में विकास कार्यों को सही दिशा दी है। ऐसे निर्णयों से न केवल बड़े ठेकेदारों बल्कि आम नागरिकों का भी मनपा प्रशासन पर भरोसा बढ़ेगा।

■ इंजीनियर कम, लेकिन प्रोजेक्ट करोड़ों के !

शहर में इतने बड़े पैमाने पर विकास कार्य होने के बावजूद नगर निगम में इंजीनियरों की संख्या बहुत कम है, जो एक गंभीर मुद्दा है। वर्तमान में नगर निगम में केवल 1 सिटी इंजीनियर, 1 अधिशासी अभियंता, 2 उप अभियंता और 10-12 अस्थायी कनिष्ठ अभियंता ही हैं। इतने छोटे स्टाफ से पूरे शहर के विकास कार्यों की देखरेख करना बेहद कठिन है। इस पृष्ठभूमि में, विशेषज्ञ कम से कम 15 नए इंजीनियरों की तत्काल भर्ती की मांग कर रहे हैं।

क्लब टेंडरों पर प्रतिबंध, मैनुअल प्रक्रियाओं की समाप्ति, डुप्लिकेट कार्यों की रोकथाम, टेंडर अनुमानों की निष्पक्षता, वीडियो और फोटो के साथ कार्य का सत्यापन, तथा कार्य पूरा होने के बाद ही बिलिंग जैसे मुद्दे लगातार उठाए जा रहे थे, अब प्रशासन द्वारा स्वीकार कर लिए गए प्रतीत होते हैं।

मनपा की वेबसाइट पर 151 विभिन्न कार्यों के लिए अलग-अलग ई-टेंडर की घोषणा

- अब इस सारी प्रक्रिया को समाप्त करते हुए महानगर पालिका की वेबसाइट पर 151 विभिन्न छोटे-छोटे कार्यों के लिए अलग-अलग ई-टेंडर घोषित कर दिए गए हैं। इससे स्थानीय ठेकेदारों के लिए अधिक पारदर्शिता, प्रतिस्पर्धा और अवसर पैदा होंगे। यह कार्रवाई सिर्फ एक बार की बात नहीं है।
- इससे पहले मई में आयुक्त ने 1.4 करोड़ रुपये मूल्य की 14 मैनुअल निविदाएं रद्द कर दी थीं। इसलिए, अब प्रशासन की ओर से पारदर्शिता पर लगातार जोर दिया जा रहा है। इस पृष्ठभूमि में, सामाजिक कार्यकर्ता मोती लुधवानी, अजीत मखीजानी और अन्य पिछले कई महीनों से इस मुद्दे पर काम कर रहे हैं।

स्काईडोम हॉल में मनपा का चला हथौड़ा

■ मनपा ने 3 हजार वर्ग मीटर के अतिरिक्त निर्माण पर कार्रवाई की

उल्हासनगर. शहर में अवैध निर्माणों की बढ़ती संख्या और प्रशासन की अनदेखी एक बार फिर उजागर हुई है। महानगरपालिका ने उल्हासनगर के प्रसिद्ध स्काई डोम हॉल में तीन हजार वर्ग मीटर से अधिक बड़े अनधिकृत निर्माण परियोजना पर कार्रवाई शुरू की।

यह निर्माण कार्य रीजेंसी कमर्शियल हाउसिंग कॉम्प्लेक्स में किया गया था और इसे अवैध रूप से व्यावसायिक उपयोग के लिए किराए पर दिया जा रहा था। इस मामले को गंभीरता से लेते हुए प्रहार जनशक्ति पार्टी के ठाणे जिला अध्यक्ष स्वप्निल पाटिल ने मनपा में शिकायत दर्ज कराई थी। तदनुसार, नगर नियोजन विभाग ने एक वर्ष पूर्व नोटिस जारी किया था, लेकिन मामला न्यायालय में चले जाने के कारण कार्रवाई में देरी हुई।

अंततः पुलिस बंदोबस्त में सहायक आयुक्त गणेश शिम्पी के नेतृत्व में कार्रवाई की गई। शिम्पी ने बताया कि तीन हजार वर्ग मीटर के बड़े निर्माण प्रोजेक्ट का निर्माण कार्य पूरा होने में कम से कम दो दिन लगेंगे। इस कार्रवाई से शहर में अन्य अवैध निर्माणों के खिलाफ भी कार्रवाई का खतरा पैदा हो गया है। मनपा के इस सख्त रुख से शहर में काफी हलचल मच गई है।

मुंबई जा रही लोकल ट्रेन में महिलाओं के बीच मारामारी

■ वीडियो वायरल

कल्याण. पिछले सप्ताह विरार लोकल में दो महिलाओं के बीच हुई तीखी बहस, जिसमें एक महिला को इतना पीटा गया कि वह लहूलुहान हो गई. यह घटना अभी ताजा ही थी कि मंगलवार की सुबह कर्जत से सीएसएमटी जा रही लोकल ट्रेन में डोंबिवली रेलवे स्टेशन से रवाना होने के बाद उसमें दो महिलाओं के बीच तीखी बहस हो गई। ये महिलाएं एक-दूसरे के बाल और नाखून खींचने तथा मारपीट करने तक उतर गईं। अन्य

महिलाएं दोनों महिलाओं को एक तरफ करने की कोशिश कर रही थीं, लेकिन वे सुनने के मूड में नहीं थीं। पिटाई का ऑडियो और वीडियो फुटेज सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है।

उल्हासनगर में फिर 'टोइंग वैन' शुरू

■ अवैध पार्किंग पर लगेगी रोक

■ ट्रैफिक जाम पर पुलिस एक्शन मोड में

उल्हासनगर. उल्हासनगर में सात महीने से बंद पड़ी 'टोइंग वैन' सेवा फिर से शुरू हो गई है और नियमों का उल्लंघन करने वाले चालकों के खिलाफ सीधी कार्रवाई की जा रही है। अब यह प्रणाली यातायात में बाधा डालने वाले वाहनों पर दया किए बिना लागू की जाएगी। यातायात पुलिस ने 'अनियंत्रित पार्किंग' संस्कृति पर नकेल कसने के लिए अपनी कमर कस ली है, तथा नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों पर अब सीधी कार्रवाई की जाएगी।

उल्हासनगर शहर में वाहन मालिकों द्वारा सड़कों पर अनाधिकृत पार्किंग की संख्या दिन-प्रतिदिन बढ़ती जा रही थी।

क्यों बंद कर दी गई टोइंग सेवा ?

ठाणे यातायात शाखा ने टोइंग वैन पर मौजूद कुछ कर्मचारियों के दुर्व्यवहार, मनमानी कार्रवाई और नशे की लत की शिकायतें मिलने के बाद सेवा को अस्थायी रूप से बंद कर दिया था। परिवहन विभाग ने शहर में सुचारू यातायात प्रवाह सुनिश्चित करने तथा सड़कों के अकुशल उपयोग को रोकने के लिए टोइंग सेवा को पुनः सक्रिय कर दिया है। इस सेवा के साथ ही एक जन जागरूकता अभियान भी चलाया जा रहा है, जिसमें तीन दिनों से यह घोषणा की जा रही है कि सड़क पर अनाधिकृत पार्किंग न की जाए, अन्यथा कार्रवाई अवश्यंभावी है।

लेकिन अब यातायात विभाग इस अनियंत्रित पार्किंग पर रोक लगाने के लिए फिर से तैयार है। सात महीने से बंद पड़ी टोइंग वैन सेवा को फिर से शुरू कर दिया गया है और पहला बड़ा अभियान उल्हासनगर कैंप 4 और 5 क्षेत्रों में चलाया गया, जिसमें सड़कों पर बाधा डाल रहे वाहनों को हटाया गया। उम्मीद है कि टोइंग सेवा के पुनः चालू होने से उल्हासनगर की सड़कों पर अव्यवस्था पर अंकुश लगेगा। इस बार टोइंग कर्मचारियों को अधिक अनुशासित बनाया जा रहा है तथा उनके लिए पूर्ण वर्दी पहनना तथा पहचान पत्र रखना अनिवार्य कर दिया गया है। इसके अलावा, उन्हें नागरिकों के साथ शिष्टाचार से पेश आने तथा बिना किसी लत के कानून के दायरे में कार्रवाई करने के लिए विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा।

यातायात पुलिस उपायुक्त की चेतावनी

ठाणे यातायात विभाग के उपायुक्त पंकज शिरसाट ने कड़ी चेतावनी जारी की है कि यदि कोई भी कर्मचारी अनियमित व्यवहार, दुर्व्यवहार या अनाधिकृत तरीके से कार्य करेगा तो उसके खिलाफ विभागीय स्तर पर कार्रवाई की जाएगी। ड्राइवरों से भी नियमों का पालन करने का आग्रह किया गया है।

अंबरनाथ में जल संकट जारी

अंबरनाथ. बारिश का मौसम शुरू हुए एक महीना हो गया है। ठाणे जिले की प्यास बुझाने वाला बारवी बांध 50 प्रतिशत भर चुका है। हालांकि, अंबरनाथ में कई स्थानों पर पानी की समस्या अभी भी व्याप्त है, जिससे नाराज नागरिकों ने सोमवार को एमजेपी कार्यालय पर विरोध मार्च निकाला। इस बार नागरिकों ने चेतावनी दी कि यदि 15 दिन के भीतर सुचारू जलापूर्ति नहीं हुई तो वे विरोध प्रदर्शन करेंगे। अंबरनाथ पश्चिम बुआपाड़ा क्षेत्र में वार्ड क्रमांक 8 शारदा चौक, शारदा स्कूल, आर. के. स्कूल और पटवा चाल में 15 दिनों से पानी की आपूर्ति नहीं हुई है। आस-पास के क्षेत्र में गंदा पानी आने से नागरिकों के स्वास्थ्य का मुद्दा सामने आ गया है। बारिश शुरू हुए एक महीना हो गया है। पास का बांध भी भर गया; हालाँकि, शहर में पानी की कमी अभी भी बनी हुई है। इसको लेकर नागरिकों ने कार्यालय पर धरना दिया। हालांकि, इस बीच अधिकारियों ने क्षेत्र का निरीक्षण किया और आश्वासन दिया कि नियमित जलापूर्ति होगी। हालांकि, सामाजिक कार्यकर्ता अनिल गुप्ता ने चेतावनी दी कि नागरिकों को अभी भी पानी नहीं मिल रहा है और अगर अगले पंद्रह दिनों में पानी की आपूर्ति बहाल नहीं की गई तो वे विरोध प्रदर्शन करेंगे।

टिटवाला पुलिस ने 65 किलो गोमांस व 2 वाहन पकड़ा

■ तीन गिरफ्तार

अंबरनाथ. अंबरनाथ के जलालुद्दीन शेख एवं उनके दो बेटों को टिटवाला पुलिस ने गोमांस के साथ एवं भीड़ पर वाहन चढ़ा कर जान से मारने के प्रयास के आरोप में गिरफ्तार किया है. बुधवार को तीनों को न्यायालय में पेश किया जाएगा. ऐसा टिटवाला पुलिस ने बताया है. कल्याण तालुका के टिटवाला पुलिस ने रायता पुल के पास मंगलवार सुबह 9.30 बजे गोमांस की तस्करी करने के आरोप में 3 लोगों को गिरफ्तार किया है. उनके नाम जलालुद्दीन शेख, जैनुद्दीन शेख और सकलेन हैं. आरोपी अंबरनाथ पश्चिम के उलन चाल के निवासी हैं. आरोपियों के पास से 65 किलो गोमांस बरामद करके पुलिस ने वैगन और थार कार को अपने कब्जे में लिया है. इसके खिलाफ पुलिस ने बीएनएस की धारा 132-325, 3 (5) एवं महाराष्ट्र पशु संरक्षण अधिनियम एवं प्राणियों के छल प्रतिबंधक अधिनियम की धारा के अनुसार अपराध दर्ज किया है.

विदित हो कि मंगलवार की सुबह गोमांस कार में ले जाते हुए गौरक्षकों ने रंगे हाथ जलाल को पकड़ कर उसे मारा पीटा और पुलिस के हवाले किया था. जलाल का अंबरनाथ के उलन चाल में दुकान है. इस दुकान में अंबरनाथ पुलिस ने 28 मई को कार्रवाई करते हुए जलाल के लड़के सकलेन शेख पर अपराध दाखिल किया था. जलाल को बचाने के लिए उनके दोनों लड़के सकलेन और जैनुद्दीन कार लेकर आए और गौरक्षकों पर वाहन चढ़ाने का प्रयत्न किया. ऐसा आरोप गौरक्षकों ने किया है. मामले की जांच टिटवाला पुलिस कर रही है. तीनों को बुधवार को न्यायालय में पेश किया गया.

अंबरनाथ में शेयर रिक्शा की घोषणा

■ महंगाई बढ़ रही है और किराया कम किया जा रहा

■ रिक्शा चालकों में रोष

⏭ यूसुफ शेख

अंबरनाथ. अंबरनाथ और बदलापुर के लिए उप प्रादेशिक परिवहन कार्यालय कल्याण ने 30 जून 2025 को शेयर रिक्शा और मीटर रिक्शा किराये की घोषणा की है. अधिकारी आशुतोष बारकुल द्वारा ये घोषणा करके सभी रिक्शा चालक मालक संघटना एवं प्रवासी संघटना के लिए जारी किया है. प्राधिकरण ने 23.1.25 को एक बैठक लेकर रिक्शा, टैक्सी किराया की बढ़ोतरी को मंजूर किया है. ऐसा जारी पत्रक में कहा गया है. 1 फरवरी 2025 से किराये

को मंजूर किया गया है. ये किराया उप प्रादेशिक परिवहन कार्यालय कल्याण के कार्यक्षेत्र में आने वाले शेयर रिक्शा स्टैंड एवं मीडर रीडिंग से किराये की घोषणा की गई है. इस घोषणा के बाद रिक्शा चालकों ने नाराजगी व्यक्त की है कि महंगाई बढ़ गई है. किराया बढ़ाने के बजाय किराया कम किया गया है. जबकि शहर में शेयर रिक्शा किराया कम से कम 20 रुपए रिक्शा वाले ले रहे हैं. अंबरनाथ में सोशल मीडिया पर रिक्शा किराया पत्रक को लोग एक-दूसरे को शेयर कर रहे हैं एवं ग्रुप में भी सेंड किया जा रहा है.

ऐसा होगा किराया..

- अंबरनाथ पश्चिम रेलवे स्टेशन एवं अंबरनाथ पूर्व रेलवे स्टेशन से शहर में प्रवासियों को ले जाने वाली रिक्शा के लिए शेयर किराया इस प्रकार है.
- विमको नाका, वांद्रा पाड़ा, कोहोजगांव के लिए शेयर किराया 12 रुपए होगा. 12 रुपए किराया शहर पूर्व में पाठारे पार्क, शिवाजी नगर शाखा, शिवगंगा नगर के लिए होगा. पश्चिम मे उलन चाल के लिए 13 रुपए, कमलाकर नगर 17 रुपए, चिंचपाड़ा 15 रुपए, शहर पूर्व में लोकनगरी के लिए 15 रुपए, मोरीवली नाका, कैलाश कालोनी 15 रुपए, होटल सचिन 31 रुपए किराया होगा.
- नवरे पार्क 18 रुपए, फारवर लाइन 23 रुपए और बदलापुर पश्चिम रेलवे स्टेशन तक 61 रुपए शेयर सीट किराया होगा.

बदलापुर फ्लाईओवर पर जाम से मिलेगी मुक्ति!

■ फ्लाईओवर पर बनाए गए डिवाइडर

बदलापुर. बदलापुर शहर के एकमात्र फ्लाईओवर पर ट्रैफिक जाम को खत्म करने के लिए फ्लाईओवर के पूर्वी प्रवेश द्वार से पुराने नगर निगम कार्यालय तक डिवाइडर लगाने का निर्णय लिया गया है। इस क्षेत्र में जाम की स्थिति थी, क्योंकि फ्लाईओवर से उतरने वाले वाहन तथा स्टेशन से आने-जाने वाले वाहन एक ही स्थान पर मुड़ रहे थे। इसलिए आशा है कि अब यहां ट्रैफिक जाम से लोगों को मुक्ति मिलेगी.

पिछले कुछ महीनों में बदलापुर शहर में यातायात की भीड़ बढ़ गई है। पिछले महीने सबवे बंद होने के बाद से यहां से

गुजरने वाले वाहनों का बोझ शहर के एकमात्र फ्लाईओवर पर भी पड़ रहा था। परिणामस्वरूप फ्लाईओवर पर भीषण यातायात जाम लग गया। इससे न केवल आम वाहन चालक प्रभावित हुए, बल्कि स्कूली छात्र और मरीज भी प्रभावित हुए।

सबवे संपर्क सड़क पर काम में तेजी लाई गई और सड़क को यातायात के लिए खोल दिया गया। इससे फ्लाईओवर पर भीड़भाड़ कुछ हद तक कम हो गई।

पश्चिम से आने वाले वाहन कात्रप क्षेत्र में जाने के लिए घटनास्थल पर दाहिनी ओर मुड़ रहे थे। उस समय आदर्श स्कूल की ओर से आने वाले वाहन रुक रहे थे। इसके अलावा, समय और ईंधन बचाने के लिए, बदलापुर पूर्व से आने वाला रिक्शा फ्लाईओवर के प्रवेश द्वार पर मुड़कर नवरत्न होटल की ओर जा रहा था। इसलिए इस क्षेत्र में बड़ी समस्या थी। इसलिए अब इस फ्लाईओवर के पूर्वी हिस्से में पुराने नगर निगम कार्यालय के सामने डिवाइडर लगाने का निर्णय लिया गया है। मंगलवार को इन डिवाइडरों का काम लगभग पूरा हो गया। इसलिए, पश्चिम से पूर्व की ओर आने वाले वाहन चालक अब फ्लाईओवर के नीचे दाईं ओर नहीं मुड़ सकेंगे। इसके अलावा पूर्व दिशा से आने वाले वाहन चालकों को स्टेशन तक जाने के लिए फ्लाईओवर के नीचे से गुजरना पड़ेगा।

यहां तक कि कात्रप क्षेत्र से आने वाले वाहन चालक भी नवरत्न होटल से नहीं आ सकेंगे। यातायात पुलिस ने अभी तक इस मोड़ के लिए कोई योजना प्रस्तुत नहीं की है। यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि चालक, विशेषकर रिक्शा चालक, इस पर कैसी प्रतिक्रिया देते हैं। हालांकि, उम्मीद है कि डिवाइडर बनने से फ्लाईओवर के प्रवेश द्वार पर भीड़भाड़ कम हो जाएगी।

कटाई-अंबरनाथ राज्य सड़क पर ट्रैफिक जाम

■ नेवाली नाका बन रहा यातायात जाम का केंद्र

अंबरनाथ. कटाई-अंबरनाथ राज्य मार्ग पर विभिन्न स्थानों पर अभूतपूर्व यातायात जाम देखा जा रहा है. कटाई से कोलेगांव, खोनी फाटा, नेवाली नाका और अंबरनाथ शहर के प्रवेश द्वार तक भीषण जाम लग जा रहा है.

ठाणे जिला पिछले कुछ दिनों से दुविधा में फंसा हुआ है। जगह-जगह गड्ढे, अधूरी संपर्क सड़कें और चल रहे सड़क निर्माण कार्य के कारण जाम की समस्या हो रही है। फ्लाईओवरों की संकीर्णता भी

इस दुविधा में योगदान दे रही है। कटाई-अंबरनाथ राज्य राजमार्ग, जो बदलापुर और अंबरनाथ शहरों से यात्रियों को ठाणे, मुंबई, नवी मुंबई और डोंबिवली से जोड़ने के लिए महत्वपूर्ण है, यातायात जाम की चपेट में आ गया है. इस राज्य राजमार्ग पर कटाई चेकपॉइंट से पहले, अंबरनाथ की ओर जाने वाले मार्ग पर, कोलेगांव, खोनी फाटा, नेवाली नाका और अंबरनाथ शहर के प्रवेश द्वार पर भारी यातायात जाम रहता है.

कोलेगांव में लगातार ट्रैफिक जाम की स्थिति रहती है. इस चौराहे पर कई जगह अतिक्रमण है और कई वाहन सड़क के किनारे खड़े रहते हैं, जिससे वाहन चालकों को अनावश्यक असुविधा होती है। इसके अलावा, तलोजा और पनवेल क्षेत्रों से आने वाले भारी औद्योगिक वाहन खोनी में मुड़ते हैं। इस चौक के पास बड़े पैमाने पर खुदाई का काम भी किया गया है। इसलिए यहां ट्रैफिक जाम रहता है। इसके अलावा म्हाडा कॉलोनी के पास सड़क का काम भी आधा-अधूरा ही हुआ है।

अंबरनाथ तालुका में नेवाली नाका पिछले कुछ वर्षों से भीड़भाड़ का केंद्र रहा है। अपर्याप्त चौराहों, संकरी गलियों, अंबरनाथ से मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई की ओर जाने वाले वाहनों और कल्याण से मलंगगढ़ की ओर जाने वाले भारी वाहनों के एक ही स्थान पर एक साथ आ जाने के कारण यहां भारी ट्रैफिक जाम की स्थिति रहती है। लापरवाह चालकों और सड़क के किनारे खड़े वाहनों के कारण जाम की समस्या और भी बढ़ जाती है।

अम्बरनाथ शहर के प्रवेश द्वार पर भी ऐसी ही स्थिति रहती है. यहां भी मोड़ लेते समय अनियंत्रित चालकों के कारण बड़ा ट्रैफिक जाम लग जाता है. जिस यात्रा में मात्र बीस से पच्चीस मिनट का समय लगना चाहिए उसमें डेढ़ से दो घंटे का समय लग जाता है.

बुजुर्ग व्यापारी से 62 लाख रुपये ठगे

■ 2 महिलाओं के खिलाफ मामला दर्ज

कल्याण. कल्याण पश्चिम के मुरबाड रोड इलाके में रहने वाले 73 वर्षीय व्यवसायी को बढ़े मुनाफे का वादा कर ऑनलाइन शेयरों में निवेश करने का लालच देकर दो महिलाओं ने 61 लाख 90 हजार रुपये की ठगी की है। इस प्रकार की धोखाधड़ी पिछले तीन महीनों में हुई है। ठगी के शिकार बुजुर्ग व्यापारी का नाम दिनेश जगजीवन शाह (73) है। वे कल्याण पश्चिम के मुरबाड रोड इलाके में रहते हैं। उनका फैब्रिकेशन का व्यवसाय है। इस धोखाधड़ी मामले में दिनेश शाह ने महात्मा फुले पुलिस स्टेशन में नेहा पटेल और तृप्ति गोहर

नामक दो महिलाओं के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। थाने में दर्ज शिकायत में दर्ज कराए गए दोनों महिलाओं के मोबाइल नंबर बंद बताए जा रहे हैं।

धोखेबाज निवेश सलाहकार कल्याण और डोंबिवली क्षेत्रों में वरिष्ठ नागरिकों, बुजुर्ग महिलाओं और पुरुषों को निशाना बनाकर ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी कर रहे हैं।

महात्मा फुले पुलिस स्टेशन में दी गई अपनी शिकायत में दिनेश शाह ने कहा कि अप्रैल में दो महिलाओं ने उनसे व्हाट्सएप पर संपर्क किया। इस ग्रुप के माध्यम से उन्होंने शेयरों में निवेश करके अधिक लाभ प्राप्त करने की सलाह देना शुरू किया। इस व्हाट्सएप ग्रुप में कई निवेश सदस्य शामिल थे। निवेश सलाहकार नेहा पटेल और तृप्ति गोहर ने एसीआई इन्वेस्टमेंट व्हाट्सएप ग्रुप के माध्यम से भरोसा दिलाया कि शेयरों में निवेश करने पर आपको मुनाफा बढ़ेगा। उनके मार्गदर्शन के अनुसार अप्रैल से जून तक उनके द्वारा उपलब्ध कराए गए विभिन्न बैंक खातों में 61 लाख 90 हजार रुपये ऑनलाइन जमा कराए गए।

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास संपादकीय

औद्योगिक गिरावट का झटका

अर्थव्यवस्था की चमकीली तस्वीर के बरक्स औद्योगिक उत्पादन वृद्धि में गिरावट बड़ा झटका है। मई में यह वृद्धि जिस तरह घट कर 1.2 फीसद पर पहुंची है, उससे यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि पिछले कुछ समय से हो रही इस गिरावट को थामने के लिए क्या उपाय किए गए! जबकि अप्रैल में यह आंकड़ा 2.6 फीसद था। भारतीय अर्थव्यवस्था की सेहत के लिए यह कोई अच्छा संकेत नहीं हैं।

औद्योगिक उत्पादन सूचकांक का आंकड़ा बता रहा है कि यह बीते नौ महीने की सबसे सुस्त रफ्तार है। एक महीने पहले भी इस गिरावट का बड़ा कारण बिजली और खनन क्षेत्र में कमजोर प्रदर्शन बताया गया था। इसे गंभीरता से लेने की इसलिए भी जरूरत है, क्योंकि खनन क्षेत्र में उत्पादन लगातार दूसरे महीने 0.1 फीसद घटा है।

तर्क दिया जा रहा कि प्रतिकूल मौसम की वजह से खनन गतिविधियां ठप हुई हैं वहीं अगस्त 2024 के बाद पहली बार बिजली क्षेत्र का उत्पादन 5.8 फीसद घटना ऊर्जा क्षेत्र के लिए भी चुनौती है। दूसरी ओर सुस्ती का पहले से ही सामना कर रहे विनिर्माण क्षेत्र में उत्पादन घटने को गंभीरता से लेना होगा। हालांकि यह तर्क दिया जा रहा है कि प्रतिकूल मौसम की वजह से खनन गतिविधियां ठप हुई हैं और बिजली की मांग भी घटी है। औद्योगिक उत्पादन वृद्धि दर घटने के अपने जोखिम हैं। इसका देश के आर्थिक विकास पर प्रभाव पड़ सकता है। उत्पादन वृद्धि घटने का असर न केवल महंगाई पर पड़ेगा, बल्कि अर्थव्यवस्था की रफ्तार भी धीमी होगी। ऐसे में कई चीजों का आयात करने से व्यापार घाटा बढ़ सकता है। मौजूदा स्थिति अगर उपभोक्ताओं के बदलते रुख और अपनी जरूरतें कम करने की वजह से है, तो औद्योगिक तथा विनिर्माण क्षेत्र को चुनौतियों के लिए तैयार रहना चाहिए। यह चिंता की ही बात है कि गैर टिकाऊ वस्तुओं का उत्पादन लगातार गिर रहा है और यह 2.4 फीसद कम हो गया है। वहीं टिकाऊ उपभोक्ता वस्तुओं का उत्पादन भी घटा है। नवंबर 2024 के बाद पहली बार ऐसी स्थिति देखी जा रही है। वस्तुओं की खरीद घटना उपभोक्ताओं की आर्थिक स्थिति भी बताती है। ऐसे में आम जनों की माली हालत सुधारे बिना विकास की रफ्तार तेज नहीं होगी।

जुंबा ने खड़ी कर दी कट्टरपंथियों की खाट

केरल की वामपंथी सरकार की इसके लिए सराहना होनी चाहिए कि उसने युवाओं को नशे से बचाने के लिए स्कूलों में जुंबा कराने के अपने फैसले पर कायम रहना तय किया। जुंबा नृत्य और संगीत आधारित एक एरोबिक गतिविधि है। इसे मनोरंजन के साथ-साथ सेहत और विशेष रूप से फिटनेस के लिए उपयुक्त माना जाता है।

यह दुनिया भर में लोकप्रिय है। उपयोगिता सिद्ध होने के चलते ही उसकी लोकप्रियता बढ़ रही है। यह आम धारणा है कि छात्रों और युवाओं को जुंबा के प्रति आकर्षित कर उन्हें नशे एवं अन्य हानिकारक प्रवृत्तियों से दूर रखा जा सकता है। दुनिया भर में युवाओं विशेष रूप से छात्रों को ड्रग्स से बचाने के लिए जो तमाम उपाय किए जाते हैं, उनमें से एक जुंबा भी है।

इसे प्रचलित करने का श्रेय एक कोलंबियाई फिटनेस ट्रेनर अल्बर्टो "बैटो" पेरेज को जाता है। उन्होंने डांस और म्यूजिक के जरिये लोगों को फिटनेस की ट्रेनिंग देनी शुरू की। जब इस नए-अनोखे तरीके की लोकप्रियता बढ़ गई तो उन्होंने एक कंपनी बना ली। जुंबा की लोकप्रियता बढ़ने के साथ अलग-अलग देशों में उसे अपने यहां के गीत-संगीत पर आजमाना शुरू कर दिया गया। भारत में इसे बालीवुड फिल्मों के गानों के साथ भी किया जाता है। चाहें तो गूगल करके देखें और सुनें। इसे महिलाएं और बुजुर्ग भी करते हैं।

इससे इन्कार नहीं कि हाल के वर्षों में भारत में छात्रों और युवाओं के बीच नशे का चलन बढ़ा है। पहले उत्तर पूर्व के राज्यों में बड़ी संख्या में युवा नशे का शिकार बने। इसके बाद पंजाब में और अब तो कई अन्य राज्यों में ड्रग्स लेने वाले छात्रों और अमीर-गरीब युवाओं की संख्या बढ़ रही है। रेव पार्टियां आम सी हो रही हैं। केरल में ड्रग्स की समस्या को देखते हुए ही मुख्यमंत्री पी. विजयन ने स्कूलों में जुंबा करने का फैसला लिया, लेकिन कट्टरपंथी मुस्लिम संगठनों को जुंबा में अश्लीलता और अनैतिकता दिख गई।

कई मुस्लिम संगठनों ने स्कूलों में जुंबा कराने के केरल सरकार के फैसले का विरोध किया। किसी ने कहा कि लड़के-लड़कियां एक साथ डांस करेंगे। किसी ने कहा कि यह हमारी मजहबी मान्यताओं के खिलाफ है। ऐसा कहने वाले केरल के कुछ छात्र एवं युवा मुस्लिम संगठन भी हैं। केरल के जिन मुस्लिम संगठनों ने जुंबा को अश्लीलता आदि बढ़ाने वाला करार दिया, वे वही हैं जिन्हें योग भी रास नहीं आता। इनके लिए बुर्का तो उपयोगी और सेक्युलर किस्म का परिधान है, लेकिन साड़ी केवल हिंदू महिलाओं का परिधान और माथे पर तिलक... तो तौबा तौबा।

खुद को सेक्युलर और अपने गठबंधन को इंडिया कहने वाले दलों के नेताओं को ऐसे ही कट्टरपंथी संगठनों के खिलाफ बोलने में शर्म आती है। मौका मिलता है तो वे किंतु-परंतु करके कट्टरपंथी संगठनों के साथ खड़े होना पसंद करते हैं, क्योंकि इससे वोट बैंक सुरक्षित होता है। वास्तव में सेक्युलर भारत की यही हकीकत है और इसीलिए इस पर हैरानी नहीं कि आपातकाल में संविधान की प्रस्तावना में जबरन ठूंसे गए सेक्युलर शब्द की बेशर्मी से हिमायत की जा रही है। मानो आपातकाल के पहले भारत घोर सांप्रदायिक था।

हैरानी इस पर नहीं कि केरल के मुस्लिम संगठन जुंबा के खिलाफ खड़े हो गए हैं। हैरानी इस पर है कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े एक संगठन को भी इसमें खोट नजर आया। उसकी ओर से यह कहा गया कि जुंबा फिटनेस प्रोग्राम सांस्कृतिक आक्रमण है। पता नहीं वह कैसे इस नतीजे पर पहुंचा। उसने जाने-अनजाने खुद को कट्टरपंथी मुस्लिम संगठनों के साथ ही खड़ा कर लिया।

यह धारणा मूर्खतापूर्ण है कि पश्चिम का सब कुछ बुरा है। यदि ऐसा है तो क्या उन लोगों की ओर से पश्चिम की सभी चीजों का परित्याग किया जाएगा, जो कह रहे हैं कि आखिर जुंबा की जगह योग क्यों नहीं? योग की महत्ता से इन्कार नहीं, लेकिन यह भी एक तथ्य है कि छात्रों के बीच जुंबा आसानी से लोकप्रिय होने वाली एरोबिक गतिविधि है।

हमारी आत्मा का बाहरी रूप ध्यान है।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

क्या अमेरिका मानेगा भारत की बात?

भारत और अमेरिका के बीच व्यापार समझौता वार्ता महत्त्वपूर्ण चरण में है। दोनों पक्ष इस समझौते के अंतरिम प्रारूप को नौ जुलाई से पहले अंतिम रूप देने का प्रयास कर रहे हैं। कई मसलों पर द्विपक्षीय सहमति बन गई है, लेकिन कृषि और डेयरी क्षेत्र से जुड़े मुद्दों पर पेच फंसता नजर आ रहा है। अमेरिकी शुल्क नौ जुलाई से लागू हो जाने की संभावना के बावजूद भारत अपने हितों से कोई समझौता नहीं करना चाहता है।

इस सिलसिले में वाणिज्य विभाग के विशेष सचिव की अगुवाई में वाशिंगटन गए भारतीय दल ने इसके साफ संकेत दिए हैं। हालांकि, भारत चाहता है कि यह व्यापार समझौता जल्द से जल्द हो, लेकिन किसी दबाव में देश के हित की कीमत पर नहीं। इसमें दोराय नहीं कि अगर यह व्यापार समझौता सिरे चढ़ता है तो इससे दोनों देशों को फायदा होगा। मगर, इसके लिए दोनों पक्षों को परस्पर हितों का सम्मान करना होगा, जो अमेरिकी पक्ष की ओर से फिलहाल कुछ मुद्दों पर नजर नहीं आ रहा है।

दरअसल, अमेरिका अपने उत्पादों के लिए भारतीय कृषि और डेयरी बाजार में व्यापक पहुंच और शुल्क छूट की मांग कर रहा है। चीन के साथ बढ़ते व्यापार तनाव के कारण अमेरिका अपने कृषि और डेयरी उत्पादों को भारत में निर्यात करना चाहता है। लेकिन भारत के लिए

इन क्षेत्रों में अमेरिका को शुल्क छूट देना कठिन और चुनौतीपूर्ण है। इसका कारण यह है कि भारत में करोड़ों किसान अपनी आजीविका के लिए खेती में लगे हैं और उनकी जोत का आकार काफी छोटा है।

भारत इन क्षेत्रों को लेकर संतुलित समझौते की मांग कर रहा है, ताकि ग्रामीण रोजगार और खाद्य सुरक्षा जैसे अहम मुद्दे सुरक्षित रह सकें। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआइ) की एक रपट में भी भारत की इन चिंताओं का समर्थन कर इन्हें तथ्यों पर आधारित माना गया है। रपट के मुताबकि, अमेरिका को कृषि और डेयरी क्षेत्रों में व्यापक पहुंच उपलब्ध कराने से भारत में कृषि पर निर्भर करोड़ों लोगों की आजीविका प्रभावित होगी।

अमेरिका और भारत के बीच प्रस्तावित व्यापार समझौते के लिए इस चरण की वार्ता को इसलिए भी अहम माना जा रहा है, क्योंकि अमेरिका की ओर से लगाया गया 26 फीसद अतिरिक्त शुल्क नौ जुलाई के बाद लागू हो सकता है। अमेरिका ने इस साल दो अप्रैल को भारतीय वस्तुओं पर यह अतिरिक्त शुल्क लगाया था, लेकिन बाद में इसे नब्बे दिन के लिए टाल दिया गया। हालांकि, अमेरिका का दस फीसद मूल शुल्क अभी भी लागू है।

भारत अतिरिक्त 26 फीसद शुल्क से पूरी छूट की मांग कर रहा है। यहां गौर करने वाली बात है कि भारत ने अब तक हस्ताक्षरित किसी भी मुक्त व्यापार समझौते में अपने डेयरी क्षेत्र को नहीं खोला है। ऐसे में अमेरिका को भारत की चिंताओं को लेकर गंभीरता से विचार करना होगा। अमेरिका डेयरी और कृषि क्षेत्र के अलावा मोटर वाहन विशेषकर इलेक्ट्रिक वाहन और पेट्रोरसायन उत्पादों पर शुल्क में भी रियायत चाहता है।

वहीं, भारत प्रस्तावित व्यापार समझौते में कपड़ा, रत्न एवं आभूषण, चमड़े के सामान, परिधान, प्लास्टिक, रसायन और श्रम-प्रधान क्षेत्रों के लिए शुल्क छूट की मांग कर रहा है। इस समझौते का उद्देश्य द्विपक्षीय व्यापार को मौजूदा 191 अरब अमेरिकी डालर से बढ़ाकर वर्ष 2030 तक 500 अरब डालर तक पहुंचाना है। यह बेहद महत्त्वपूर्ण साझेदारी हो सकती है और उम्मीद की जानी चाहिए कि अमेरका, भारत की चिंताओं को समझकर कदम आगे बढ़ाएगा।

जयमाला के समय वेडिंग प्लानर से हो गई बड़ी गलती

जरा हट के

शादी के एक अनोखा आयोजन होने लगा है. लोग वेडिंग प्लानिंग करते हैं. यानी अपने शादी के प्रोग्राम को ही पूरा का पूरा ठेके पर देते हैं. इसमें शादी को यादगार बनाने के लिए वेडिंग प्लानर्स कई तरह की थीम का प्रस्ताव देते हैं. जो लोग वेडिंग प्लानर की सेवाएं नहीं लेते है, वे भी अपनों की शादी में कुछ रचनात्मक प्रयोग करने की कोशिश करते रहते हैं. एक वायरल वीडियो में एक शादी में जयमाला के मौके पर दूल्हा दुलहन खास अंदाज में पास आते हैं और उनके पास आने के बाद उनके साथ चल रही आधी आधी तस्वीर पूरी हो जीती है. जबकि तस्वीर में एक बहुत बड़ी गलती दिखती है.

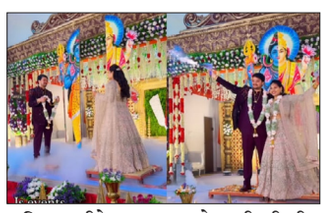

शादी के मौके पर भगवान को याद करना कोई बुरी बात नही है. इस काम के लिए कई बार लोग बहुत ही रोचक और रचनात्मक अंदाज चुन लेते हैं. बीते कुछ समय से शादी की थीम भगवान के किसी प्रसंग से जोड़ने की कोशिश की जा रही है. कुछ समय पहले एक शादी में सीता स्यवंवर की घटना का माहौल बनाया गया था. लेकिन इस वीडियो दूल्हा दुल्हन को जयमाला के लिए रोचक तरीके से पास लाया जाता है.

दुल्हा दुल्हन के पीछे भगवान

वीडियो में हम देखते हैं कि दूल्हा दुल्हन एक तस्वीर के साथ अपने आप एक दूसरे के पास आ रहे हैं. उनके पीछे आधी आधी तस्वीर भी साथ चल रही है. दुल्हन के पीछ मां लक्ष्मी की आधी तस्वीर होती है. और वहीं दूल्हे के पीछे भगवान शिव की आधी तस्वीर रहोती है. दोनों के हाथ में जयमाला होती है.

वीडियो में जब दोनों बिलकुल पास आ जाते है तो पीछे की तस्वीरें जुड़ कर पूरी हो जाती है और लेकिन यहां पर थीम में एक गड़बड़ी देखने को मिलती है. कायदे से दुल्हन के पीछे मां लक्ष्मी की नहीं बल्कि मां पार्वती की तस्वीर होनी चाहिए थी. ऐसा होने पर हमें अर्धारीश्वर का पूरा स्वरूप देखने को मिल जाताय. तब यहस थीम बताती कि पति पत्नी एक दूसरे के पूरक होते हैं और पत्नी पत्नी की अर्धांगिनी होती है. ठीक वैसे ही जैसे कि भगवान अर्धनारीशर्वर में शिव और शक्ति एक दूसरे के पूरक हैं.

कच्चे केले के छिलकों की सब्जी

खाना-खजाना

सामग्री :

- कच्चे केले के छिलके 4 से 5 बड़े
- प्याज एक बारीक कटा हुआ
- टमाटर एक बारीक कटा हुआ
- अदरक-लहसुन का पेस्ट एक चम्मच
- हरी मिर्च बारीक कटी हुई
- जीरा आधा चम्मच
- हल्दी पाउडर आधा चम्मच
- धनिया पाउडर एक चम्मच
- लाल मिर्च पाउडर आधा चम्मच
- गरम मसाला आधा चम्मच
- नमक स्वादानुसार
- तेल 3 बड़े चम्मच
- हरा धनिया

विधि :

सबसे पहले केले के छिलकों को अच्छी तरह धो लें। अब छिलकों के ऊपर और नीचे के सख्त हिस्सों को काट के हटा दें। अब छिलकों के बाहरी हरे या पीले रंग की पतली लेयर को हल्का-सा खुरच दें। ध्यान रहे, पूरी तरह नहीं छीलना है। अब छिलकों को छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें। इन्हें पानी में डालकर रख दें। अब एक एक बर्तन में पानी गरम करें और उसमें

कटे हुए केले के छिलके और थोड़ा-सा नमक डालकर उबाल लें। इसके बाद इन छिलकों को पानी से अलग रख दें।

अब एक कड़ाही तेल गरम करें। अब इसमें जीरा डालें। इसके बाद कटा हुआ प्याज और हरी मिर्च डालकर सुनहरा होने तक भून लें। अब अदरक-लहसुन का पेस्ट डालकर भूनें। कटा हुआ टमाटर डालें और पकने दें। अब सभी मसाले और नमक मिलाकर अच्छे से मिला लें। इसके बाद इन्हें तब तक पकाएं जब तक ये तेल न छोड़ दें। अब उबले हुए केले के छिलके डालकर मिलाएं ताकि मसाला छिलकों पर अच्छे से लग जाए। जरूरत के हिसाब से थोड़ा पानी डाल दें। इसे तब तक पकाएं जब तक ये नमर न हो जाएं। अब इसे हरे धनिये से सजाकर गरमागरम परोसें। आप इसे रोटी या दाल चावल के साथ परोस सकती हैं।

लिवर संक्रमण हो सकता है जानलेवा

लिवर से संबंधित समस्याओं के मामले सभी उम्र के लोगों में देखे जा रहे हैं, इससे बचाव को लेकर सावधान रहना आवश्यक है। दुनियाभर में लिवर संक्रमण के मामलों में तेजी से वृद्धि हुई है। हेपेटाइटिस-बी को इसके लिए प्रमुख माना जाता है।

सेंटर्स फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन (सीडीसी) के आंकड़ों के अनुसार वैश्विक स्तर पर हर साल अनुमानित इस संक्रमण के कारण 8.20 लाख से अधिक लोगों की मौत हो जाती है। क्रोनिक हेपेटाइटिस-बी संक्रमण, लिवर कैंसर का भी कारण बन सकता है। इस खतरे को देखते हुए स्वास्थ्य विशेषज्ञ सभी लोगों को बचाव करते रहने और सुरक्षित रहने के उपाय करने की सलाह देते हैं। ज्यादातर मामलों में हेपेटाइटिस-बी कुछ समय में ठीक हो जाता है पर कुछ स्थितियों में इसका असर 6 माह या उससे भी अधिक समय

तक बना रह सकता है।

■ हेपेटाइटिस-बी का खतरा

हेपेटाइटिस-बी, लिवर में होने वाले संक्रमण का कारण बनती है, जिसके लिए हेपेटाइटिस बी वायरस (एचबीवी) को कारक माना जाता है। क्रोनिक हेपेटाइटिस-बी में लिवर फेल होने, लिवर कैंसर या सिरोसिस का खतरा बढ़ जाता है। हालांकि देखा गया है कि हेपेटाइटिस-बी वाले अधिकांश वयस्क पूरी तरह से ठीक हो जाते हैं, भले ही उनके लक्षण गंभीर हों।

शिशुओं और बच्चों में इसके गंभीर रूप लेने का खतरा जरूर बढ़ जाता है।

■ हेपेटाइटिस-बी संक्रमण क्यों होता है?

हेपेटाइटिस-बी संक्रमण के लिए एचबीवी वायरस को प्रमुख कारण माना जाता है। यह वायरस रक्त, वीर्य या शरीर के अन्य तरल पदार्थों के माध्यम से एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में फैलता है। यहां ध्यान देने वाली बात यह है कि अन्य श्वसन संक्रमण की भांति इसके छींकने या खांसने से फैलने का खतरा नहीं होता है।

स्वास्थ्य देखभाल कर्मचारियों और मानव रक्त के संपर्क में आने वाले लोगों में इसके संक्रमण का खतरा अधिक देखा गया है।

गर्भवती से उसके बच्चे को भी यह संक्रमण हो सकता है।

■ हेपेटाइटिस-बी से बचाव के लिए क्या करें?

हेपेटाइटिस-बी संक्रमण से बचे रहने के लिए टीकाकरण एक उपाय हो सकता है। 19 से 59 वर्ष की आयु लोगों को लिए टीके उपलब्ध हैं। इसके अलावा इस संक्रमण से बचाव के लिए सुरक्षित संभोग करने और प्रतिबंधित दवाइयों का सेवन न करने की सलाह दी जाती है। टैटू बनवाने वाले लोगों में भी इसका खतरा अधिक देखा गया है, इसलिए सुरक्षित स्थानों से ही टैटू बनवाना चाहिए।

हेपेटाइटिस-बी संक्रमण की पहचान कैसे की जाए?

हेपेटाइटिस-बी के लक्षण हल्के से लेकर गंभीर तक होते हैं। संक्रमण के एक से चार महीने बाद इसके संकेत नजर आते हैं, कुछ लोगों में यह दो सप्ताह बाद ही देख जा सकते हैं। इसके लक्षणों की समय रहते पहचान बहुत आवश्यक है। इसमें से तीन-चार लक्षणों के अनुभव होने पर डॉक्टर की सलाह पर जांच जरूर कराएं।

- पेट में दर्द और बुखार
- त्वचा का पीला पड़ना (पीलिया), बार-बार यह दिक्कत होते रहना।
- पेशाब का रंग गहरा होना।
- जोड़ों का दर्द।
- भूख में कमी।
- कमजोरी और थकान

आज का राशिफल

मेष : सही काम का भी विरोध होगा। कोई पुरानी व्याधि परेशानी का कारण बनेगी। कोई बड़ी समस्या बनी रहेगी। चिंता तथा तनाव रहेंगे। नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। सामाजिक कार्य करने के प्रति रुझान रहेगा। मान-सम्मान मिलेगा। रुके कार्यों में गति आएगी। निवेश शुभ रहेगा।

वृषभ : धर्म-कर्म में रुचि रहेगी। कोर्ट व कचहरी के कार्य मनोनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। चोट व रोग से बचें। सेहत का ध्यान रखें। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। झंझटों में न पड़ें। व्यापार-व्यवसाय में वृद्धि होगी। नौकरी में मातहतों का सहयोग मिलेगा। निवेश शुभ रहेगा। परिवार में प्रसन्नता रहेगी।

मिथुन : शत्रुभय रहेगा। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। विवाद से क्लेश होगा। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। ऐश्वर्य के साधनों पर सोच-समझकर खर्च करें। कोई ऐसा कार्य न करें जिससे कि बाद में पछताना पड़े। दूसरे अधिक अपेक्षा करेंगे। नकारात्मकता हावी रहेगी।

कर्क : प्रतिद्वंद्विता कम होगी। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। बात बिगड़ सकती है। शत्रुभय रहेगा। कोर्ट व कचहरी के काम मनोनुकूल रहेंगे। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। स्त्री वर्ग से सहायता प्राप्त होगी। नौकरी व निवेश में इच्छा पूरी होने की संभावना है।

सिंह : भूमि व भवन संबंधी खरीद-फरोख्त की योजना बनेगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। आर्थिक उन्नति होगी। संचित कोष में वृद्धि होगी। देनदारी कम होगी। नौकरी में मनोनुकूल स्थिति बनेगी। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। शेयर मार्केट आदि से बड़ा फायदा हो सकता है। परिवार की चिंता बनी रहेगी।

कन्या : शारीरिक कष्ट संभव है। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। स्वादिष्ट भोजन का आनंद मिलेगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। किसी प्रभावशाली व्यक्ति मार्गदर्शन प्राप्त होगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। झंझटों में न पड़ें।

तुला : शत्रुओं का पराभव होगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी। दु:खद समाचार मिल सकता है। व्यर्थ भागदौड़ रहेगी। काम पर ध्यान नहीं दे पाएंगे। बेवजह किसी व्यक्ति से कहासुनी हो सकती है। प्रयास अधिक करना पड़ेंगे। दूसरों के बहकावे में न आएं। फालतू बातों पर ध्यान न दें। लाभ में वृद्धि होगी।

वृश्चिक : पुराना रोग परेशानी का कारण बन सकता है। जल्दबाजी न करें। आवश्यक वस्तुएं गुम हो सकती हैं। चिंता तथा तनाव रहेंगे। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। भेंट व उपहार देना पड़ सकता है। प्रयास सफल रहेंगे। कार्य की बाधा दूर होगी। निवेश शुभ रहेगा। व्यापार में वृद्धि तथा सम्मान में वृद्धि होगी।

धनु : किसी भी तरह के विवाद में पड़ने से बचें। जल्दबाजी से हानि होगी। राजभय रहेगा। दूर से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। घर में मेहमानों का आगमन होगा। व्यय होगा। सही काम का भी विरोध हो सकता है। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। निवेश शुभ रहेगा। सट्टे व लॉटरी के चक्कर में न पड़ें।

मकर : कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय सोच-समझकर करें। किसी अनहोनी की आशंका रहेगी। शारीरिक कष्ट संभव है। लेन-देन में लापरवाही न करें। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। लाभ हो सकता है। व्यवसाय मनोनुकूल चलेगा। शेयर मार्केट से लाभ हो सकता है।

कुंभ : मस्तिष्क पीड़ा हो सकती है। आवश्यक वस्तु गुम हो सकती है या समय पर नहीं मिलेगी। पुराना रोग उभर सकता है। दूसरों के झगड़ों में न पड़ें। हल्की हंसी-मजाक करने से बचें। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। चिंता रहेगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय में निश्चितता रहेगी। यश बढ़ेगा।

मीन : बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। विवेक से कार्य करें। लाभ में वृद्धि होगी। फालतू की बातों पर ध्यान न दें। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में उन्नति होगी। व्यापार-व्यवसाय की गति बढ़ेगी। चिंता रह सकती है। थकान रहेगी। प्रमाद न करें।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

सूजी या बेसन का चीला बनाने में होती है दिक्कत?

■ तो बैटर बनाते समय करें ये काम

■ एकदम गोल और बिना फटे होगा तैयार

चीला भारतीय रसोई का एक बेहद हेल्दी, टेस्टी और फटाफट बन जाने वाला ऑप्शन है. नाश्ते में हो या हल्के डिनर में, सूजी या बेसन का चीला सभी उम्र के लोगों को खूब पसंद आता है. मगर कई बार जब हम घर पर चीला बनाने की कोशिश करते हैं तो वो फट जाता है, तवा पर चिपकने लगता है या फिर किनारों से टूट जाता है. ऐसे में स्वाद तो मिलता है लेकिन लुक और टेक्सचर परफेक्ट नहीं होता. लेकिन चिंता की कोई बात नहीं! अगर आप भी परफेक्ट गोल और बिना फटा हुआ चीला बनाना चाहते हैं तो आपको बैटर बनाते समय कुछ खास बातों का ध्यान रखना होगा.

■ सूजी या बेसन का सही अनुपात और पानी की मात्रा

चीले के बैटर की सबसे अहम बात है इसका गाढ़ापन. बैटर न तो बहुत पतला होना चाहिए और न ही बहुत गाढ़ा. पतला बैटर तवे पर फैलते समय टूट सकता है और गाढ़ा बैटर ठीक से फैलेगा नहीं. अगर आप सूजी का इस्तेमाल कर रहे हैं तो उसे पानी में भिगोकर कम से कम 15–20 मिनट के लिए

छोड़ दें ताकि वो फूल जाए. बेसन में पानी धीरे-धीरे मिलाएं और मिक्स करते जाएं ताकि गांठें न बनें.

■ बैटर को अच्छे से फेंटना

चाहे आप सूजी का इस्तेमाल करें या बेसन का, बैटर को अच्छे से फेंटना जरूरी है. इससे बैटर में हल्का पन आता है और जब आप चीला तवे पर डालते हैं तो वह अच्छी तरह फैलता है और क्रिस्पी भी बनता है. फेंटने से बेसन या सूजी दोनों में लचीलापन आता है जिससे चीला टूटता नहीं है.

■ तवे की तैयारी

कई बार चीला इस वजह से भी फट जाता है क्योंकि तवा ठीक से गर्म नहीं होता या बहुत ज्यादा गर्म हो जाता है. चीला बनाने के लिए नॉन-स्टिक या लोहे का तवा इस्तेमाल करें और उसे मीडियम आंच पर गर्म करें. जब तवा हल्का गरम हो जाए, तब थोड़ा तेल डालें और फिर एक बार पोंछ लें. इसके बाद बैटर डालें और चारों तरफ हल्के हाथों से फैलाएं.

■ बैटर में डालें ये चीजें

अगर आप चाहते हैं कि आपका चीला सॉफ्ट और क्रिस्पी दोनों हो, तो बैटर में थोड़ा सा दही या एक चुटकी बेकिंग सोडा मिला सकते हैं. इससे बैटर में हल्कापन आता है और चीला एकदम बढ़िया बनता है. इसके अलावा हरी मिर्च, प्याज, टमाटर, धनिया जैसी सब्जियों को बारीक काटकर डालने से स्वाद भी बढ़ता है और टेक्सचर भी अच्छा बनता है.

महिलाओं के लिए अमृत समान है चुकंदर का हलवा

हलवा खाना सभी को पसंद होता है, क्योंकि इसका स्वाद लाजवाब होता है. अक्सर लोग सूजी, मूंग दाल, लौकी, गाजर और आलू का हलवा बनाना पसंद करते हैं. मगर एक हलवा ऐसा भी होता है, जो स्वाद के साथ पोषक तत्वों का खजाना होता है. चुकंदर का हलवा शरीर के लिए बेहद फायदेमंद माना जाता है. इस हलवा को खाने से लोगों के शरीर में खून की कमी दूर हो सकती है. यह हलवा खासतौर से महिलाओं के लिए बेहद लाभकारी होता है. महिलाओं के शरीर की कमजोरी दूर करने में यह रामबाण साबित हो सकता है. इसके फायदे जानकर आप हैरान रह जाएंगे.

चुकंदर का हलवा बीपी और हार्ट के मरीजों के लिए भी फायदेमंद हो सकता है, लेकिन इसके लिए हलवे को बहुत कम चीनी और घी में बनाने की जरूरत है. दरअसल चुकंदर में नाइट्रेट्स पाए जाते हैं, जो शरीर में जाकर नाइट्रिक ऑक्साइड में बदलते हैं. यह ब्लड वेसल्स को रिलैक्स करता है और ब्लड प्रेशर को कंट्रोल रखता है. चुकंदर का हलवा दिल के मरीजों के लिए भी फायदेमंद हो सकता है. चुकंदर एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर होता है और इम्यूनिटी को सुधार सकता है. इसमें विटामिन C, विटामिन A और बी-कॉम्प्लेक्स जैसे जरूरी पोषक तत्व होते हैं, जो शरीर को संक्रमण से लड़ने में मदद करते हैं. बदलते मौसम में चुकंदर का हलवा खाना इम्यून सिस्टम को मजबूत करने का स्वादिष्ट तरीका हो सकता है.

चुकंदर शरीर को डिटॉक्स करने का काम करता है, जिससे त्वचा में निखार आता है और मुंहासे जैसी समस्याएं कम होती हैं. चुकंदर का नियमित सेवन बालों को भी मजबूत बनाता है. अगर आपको मीठा पसंद है, लेकिन आप हेल्दी विकल्प ढूंढ रहे हैं, तो चुकंदर का हलवा आपके लिए परफेक्ट है. इसमें कार्बोहाइड्रेट्स होते हैं जो शरीर को ताजगी और ऊर्जा देते हैं. सुबह या शाम को थोड़ा-सा चुकंदर का हलवा खाने से थकान कम होती है और शरीर को तुरंत एनर्जी मिलती है. यह बच्चों के टिफिन में भी एक हेल्दी और टेस्टी ऑप्शन हो सकता है.

लेख में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

ऑटो ड्राइवर के प्यार में पड़ी शिक्षिका ने की जान देने की कोशिश

गोरखपुर. यूपी के गोरखपुर के सहजनवां इलाके में एक ऑटो ड्राइवर और शिक्षिका की लव स्टोरी चर्चा में है। स्कूल लाने और ले जाने वाले ऑटो ड्राइवर को दिल दे बैठी शिक्षिका ने अब जान देने की कोशिश की है। उसका आरोप है कि शादी के नाम पर शारीरिक शोषण करने के बाद उसके साथ बड़ा धोखा किया गया। शिक्षिका ने प्रेमी के शादी से इनकार करने पर काफी मात्रा में दर्द निवारक दवा खा कर मंगलवार को जान देने की कोशिश की। सहजनवा नगर पंचायत के एक वार्ड निवासी 25 वर्षीय युवती एक निजी स्कूल में शिक्षिका है। स्कूल आने जाने के दौरान उसको एक ऑटो चालक से प्रेम हो गया। बात शादी तक पहुंच गई। ऑटो चालक शादी का झांसा देकर शिक्षिका के साथ शारीरिक शोषण करता रहा। ऑटो चालक ने बाद में शिक्षिका से शादी करने से इनकार कर दिया।

प्रेमी को मिलने बुलाकर काट दिया प्राइवेट पार्ट, लहूलुहान हालत में घर लौटा

संतकबीर नगर. यूपी के संतकबीर नगर से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। जहां एक गर्लफ्रेंड ने घर बुलाकर प्रेमी के प्राइवेट पार्ट पर हमला कर दिया। जिससे युवक बुरी तरह जख्मी हो गया। आनन-फानन में परिजन युवक अस्पताल ले गए। जहां उपचार के बाद उसे डिस्चार्ज कर दिया गया। उधर, अस्पताल ने उसे इस घटना की जानकारी पुलिस को दी। ये मामला मेंहदावल क्षेत्र का है। कोतवाली खलीलाबाद क्षेत्र के रहने वाले 20 साल के युवक का क्षेत्र के एक गांव की सजातीय हम उम्र की युवती से पिछले दो साल से प्रेम प्रसंग चल रहा है। युवक और युवती फोन पर बातचीत करते है। प्रेमी युवक तीन भाइयों में सबसे छोटा है। पिता और दोनों भाई बाहर रोजगार और नौकरी के सिलसिले में गए है। मंगलवार को प्रेमिका फोन करके प्रेमी युवक को मिलने के लिए अपने घर पर बुलाई थी। उसी दौरान किसी बात पर दोनों की कहासुनी हो गई। जिसके बाद प्रेमिका ने प्रेमी के प्राइवेट पार्ट पर चोट पहुंचा कर घायल कर दिया।

प्रधानी की रंजिश में 17 साल के लड़के की सिर में गोली मारकर हत्या

बस्ती. यूपी के बस्ती जिले में हुई एक सनसनीखेज वारदात में पूर्व प्रधान के 17 साल के नाती की सिर में गोली मारकर हत्या कर दी गई है। माना जा रहा है कि हमलावर पूर्व प्रधान के बेटे संतोष यादव उर्फ जमालू को गोली मारने आए थे, लेकिन निशाना उनका नाती अशोक बन गया। हत्या के प्रयास में चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उन्हें हिरासत में ले लिया गया है। नियामतपुर निवासी संतोष यादव उर्फ जमालू यादव का बेटा अशोक यादव इसी थानाक्षेत्र के सरदार बल्लभ पटेल इंटर कॉलेज में हाईस्कूल का छात्र था। अशोक के बाबा तीन बार गांव के प्रधान रह चुके हैं। अशोक के पिता संतोष यादव ने मौजूदा ग्राम प्रधान राम उजागिर यादव द्वारा कराए गए कार्यों की शिकायत लोकायुक्त से की है। जिसकी वर्तमान में जांच चल रही है।

सोनिया-राहुल ने ही रची थी 2000 करोड़ की संपत्ति हड़पने की साजिश

- नेशनल हेराल्ड केस में ED का दावा

नई दिल्ली. दिल्ली की एक विशेष अदालत में नेशनल हेराल्ड से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस की आज (बुधवार) से दैनिक सुनवाई शुरू हो गई है। इस दौरान मामले की जांच कर रही एजेंसी प्रवर्तन निदेशालय (ED) की तरफ से पेश हुए अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (ASG) वी राजू ने दावा किया कि सोनिया गांधी और राहुल गांधी ने ही 2000 करोड़ की संपत्ति हड़पने की साजिश रची थी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (AJL) की संपत्ति को हड़पना चाहती थी, जिसकी कीमत करीब 2,000 करोड़ रुपये थी। इसके बाद एएसजी ने कहा कि यह साजिश सोनिया और राहुल गांधी द्वारा रची गई थी।

कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी और उनके बेटे और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी इस मामले में मुख्य आरोपी हैं। इस हाई-प्रोफाइल मामले की सुनवाई सीबीआई के विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने कर रहे हैं। बता दें कि AJL नेशनल हेराल्ड अखबार प्रकाशित करता था, जिसकी स्थापना पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने की थी।

सुनवाई के दौरान राजू ने कहा कि यंग इंडियन बनाने की साजिश रची गई थी, जिसमें सोनिया गांधी और राहुल गांधी के 76% शेयर थे, ताकि कांग्रेस से लिए गए 90 करोड़ रुपये के कर्ज के लिए 2,000 करोड़ रुपये की संपत्ति हड़पी जा सके।

ईडी ने कहा कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं के निर्देश पर एजेएल को विज्ञापन के पैसे भी दिए गए थे और इस फर्जी कंपनी से जो भी आय हुई, वह अपराध की कमाई थी। 21 मई को पिछली सुनवाई के दौरान ईडी ने कहा था कि सोनिया गांधी और राहुल गांधी ने कथित नेशनल हेराल्ड मनी लॉन्ड्रिंग मामले से जुड़े 142 करोड़ रुपये के अपराध की आय अर्जित की है।

ईडी ने धन शोधन निवारण अधिनियम (PMLA) के तहत दायर अभियोजन शिकायत में कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष एवं राज्यसभा सदस्य 78 वर्षीय सोनिया गांधी को आरोपी नंबर वन और उनके बेटे और लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी को आरोपी नंबर दो के रूप में नामित किया है। इसके अलावा पांच अन्य को भी इस मामले में आरोपी बनाया गया है।

कोविड के बाद अचानक मौतों पर स्टडी में दावा

- वैक्सीन से इसका संबंध नहीं
- 18 से 45 साल के लोगों पर हुई रिसर्च

नई दिल्ली. इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (ICMR) और नेशनल सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल (NCDC) ने अपनी स्टडी में बताया कि देश में हार्ट अटैक से होने वाली अचानक मौतों का कोविड वैक्सीन से कोई सीधा संबंध नहीं है।

यह स्टडी 18 से 45 साल के लोगों की अचानक मौत पर आधारित है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बुधवार को प्रेस रिलीज जारी कर इसकी जानकारी दी। स्टडी में कहा गया है कि भारत की कोविड वैक्सीन सेफ और इफेक्टिव है। इससे होने वाले गंभीर साइडइफेक्ट के मामले रेयर हैं।

स्टडी में बताया गया है कि अचानक हुई मौतों की अन्य वजहें हो सकती हैं। इनमें जेनेटिक्स, लाइफस्टाइल, पहले से मौजूद बीमारी और कोविड के बाद के कॉम्प्लिकेशन शामिल हैं।

भारत में दो कोविड वैक्सीन विकसित हुई थीं। भारत बायोटेक ने ICMR के सहयोग से कोवैक्सिन का निर्माण किया था। वहीं, सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया ने ब्रिटिश कंपनी एस्ट्राजेनेका के फॉर्मूले से कोवीशील्ड बनाई थी।

मौत की वजह जानने के लिए ICMR और NCDC स्टडी कर रहे

ICMR और NCDC अचानक होने वाली मौतों की वजह समझने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं। इसके लिए दो रिसर्च स्टडी की जा रही हैं। पहली पिछले डेटा पर आधारित थी और दूसरी रियल टाइम इन्वेस्टिगेशन से

कुशीनगर में डबल मर्डर से हड़कम्प

कुशीनगर. यूपी के कुशीनगर में डबल मर्डर हो गया है। वहां 20 साल के एक लड़के और 15 साल की लड़की की बेरहमी से हत्या कर दी गई है। दोनों के शव एक पेड़ पर लटकते मिले। लड़की के चेहरे को कातिलों ने बुरी तरह कुचल दिया है। पुलिस घटना की जांच में जुटी है। लड़की के पिता ने बताया है कि वह मंगलवार की सुबह से घर से गायब थी। इस संबंध में उन्होंने थाने पर तहरीर भी दी थी।

शेख हसीना को सुनाई गई 6 महीने की जेल की सजा

ढाका. बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को बुधवार को करारा झटका लगा है। अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण (आईसीटी) ने अदालत की अवमानना के एक मामले में छह महीने की जेल की सजा सुनाई है। यह फैसला अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण-1 के अध्यक्ष न्यायमूर्ति मोहम्मद गुलाम मुर्तुजा मोजुमदार की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय पीठ ने सुनाया।

इसी फैसले में न्यायाधिकरण ने गैबांधा के गोविंदगंज निवासी शकील अकंद बुलबुल को दो महीने की जेल की सजा सुनाई। यह पहली बार है जब अपदस्थ अवामी लीग नेता को 11 महीने पहले पद छोड़ने और देश छोड़कर भागने के बाद किसी मामले में सजा सुनाई गई है।

इसी साल जून महीने में अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण के अभियोक्ताओं ने पिछले साल बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन के दौरान हसीना पर मानवता के खिलाफ अपराध का औपचारिक आरोप लगाया। आईसीटी के मुख्य अभियोक्ता मोहम्मद ताजुल इस्लाम ने आरोप लगाया कि हसीना ने अपनी सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शनों पर व्यवस्थित हमला किया।

संयुक्त राष्ट्र अधिकार कार्यालय की रिपोर्ट के अनुसार, 15 जुलाई से 15 अगस्त, 2024 के बीच लगभग 1,400 लोग मारे गए, क्योंकि पिछली सरकार के पतन के बाद भी जवाबी हिंसा जारी रही। हालांकि, हसीना ने सभी आरोपों से इनकार किया है। बचाव पक्ष के वकील आमिर हुसैन के अनुसार, उन्होंने पत्रकारों से कहा कि वह इन आरोपों से उन्हें मुक्त करने के लिए तर्क प्रस्तुत करेंगे। बता दें कि पिछले साल अगस्त महीने में बांग्लादेश में व्यापक स्तर पर हसीना सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए थे। इसके बाद उन्हें अपने पद से इस्तीफा देते हुए भारत आना पड़ा था। इस समय शेख हसीना दिल्ली में एक सुरक्षित घर में रह रही हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने पहली बार भर्तियों में लागू किया आरक्षण

- SC और ST कोटे की पूरी हुई मांग

नई दिल्ली. सुप्रीम कोर्ट के प्रशासनिक पदों की भर्ती में पहली बार अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति वर्ग के लिए आरक्षण लागू हुआ है। 24 जून को जारी किए गए सर्कुलर में पदों के आरक्षण की जानकारी दी गई है। सुप्रीम कोर्ट में हर साल 200 पदों पर भर्ती मंजूर है। इस तरह हर साल होने वाली भर्ती में 15 पर्सेंट एससी और 7.5 पर्सेंट एसटी आरक्षण लागू रहेगा। ऐसे में कुल 30 पदों को एससी आरक्षित किया जाएगा। इसके अलावा 15 पद एसटी वर्ग के लिए तय किए जाएंगे। सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला सामाजिक न्याय की मांग को देखते हुए अहम है। लंबे समय से मांग होती रही है कि कोर्ट की भर्तियों में भी कोटा लागू किया

जाए। अदालत की ओर से दी गई भर्ती की डिटेल में बताया गया है कि सीनियर पर्सनल असिस्टेंट के 94 पदों पर भर्ती में 14 एससी कोटे के लिए होंगी। इसके अलावा 6 पद एसटी कोटे के लिए आरक्षित रहेंगी। 74 पदों को अनारक्षित किया जाएगा। इसी तरह असिस्टेंट लाइब्रेरियन के 20 पदों में से 3 को एससी और एक को एसटी कोटे में रखा गया है। जूनियर कोर्ट असिस्टेंट की बात करें तो कुल 437 पद हैं, जिनमें से 65 पद एससी के लिए आरक्षित होंगे। इसके अलावा 32 पोस्ट एसटी के लिए होंगी। 340 पद अनारक्षित रहेंगे।

यही नहीं जूनियर कोर्ट असिस्टेंट के 20 पदों पर भी कोटा लागू रहेगा। जूनियर कोर्ट अटेंडेंट के भी 600 पदों पर आरक्षण लागू रहेगा। यही नहीं चेंबर अटेंडेंट के पद भी कोटा लागू होगा। सर्कुलर में कहा गया है कि यदि आरक्षण के नियम को लागू नहीं किया जाता है तो उसकी शिकायत रजिस्ट्रार से की जाए।

अमरनाथ यात्रा का पहला जत्था रवाना

जम्मू. अमरनाथ यात्रा के लिए बुधवार को पहला जत्था जम्मू से रवाना हो गया। उपराज्यपाल (LG) मनोज सिन्हा ने भगवती नगर बेस कैंप से जत्थे को झंडी दिखाई। इस दौरान श्रद्धालु 'हर हर महादेव' और 'बम बम भोले' के जयकारे लगाते रहे। आधिकारिक तौर पर यात्रा की शुरुआत 3 जुलाई से होगी। वहीं, पंजाब के पठानकोट से भी यात्रियों के जत्थे को रवाना किया गया। यहां से श्रद्धालु बालटाल होकर बाबा बर्फानी की गुफा पहुंचेंगे। 38 दिन तक चलने वाली यात्रा पहलगाम और बालटाल दोनों रूटों से होगी। यात्रा का समापन 9 अगस्त को रक्षाबंधन के दिन होगा। पिछले साल यात्रा 52 दिन चली थी और 5 लाख श्रद्धालुओं ने पवित्र गुफा के दर्शन किए थे। इस साल अब तक 3.5 लाख से ज्यादा तीर्थयात्री रजिस्ट्रेशन करा चुके हैं। तुरंत रजिस्ट्रेशन के लिए जम्मू में सरस्वती धाम, वैष्णवी धाम, पंचायत भवन और महाजन सभा में सेंटर खोले गए हैं।

'गरीब रथ' ट्रेन का नाम बदलने की मांग

- गुरुग्राम ZRUCC सदस्य ने मंत्री को लिखा पत्र
- कहा- यात्रियों को 'गरीब' लेबल नहीं दिया जाए

गुरुग्राम. गुरुग्राम के एक व्यक्ति ने देशभर में चल रहे 'गरीब रथ' ट्रेनों का नाम बदलकर 'सम्मान रथ' करने की मांग उठाई है। जोनल रेलवे यूजर्स कंसल्टेटिव कमेटी (ZRUCC) उत्तरी रेलवे के सदस्य और पूर्व डीआरयूसीसी (दिल्ली व अंबाला डिवीजन) सदस्य दीपक भारद्वाज ने इस संबंध में दिल्ली रेल मुख्यालय में अधिकारियों को ज्ञापन सौंपा है। साथ ही उन्होंने रेल मंत्री को एक चिट्ठी भेजकर इस मुद्दे को उठाया है और सम्मानजनक नामकरण की अपील की है। दीपक भारद्वाज का कहना है कि 'गरीब रथ' नाम मध्यम वर्ग और उससे नीचे के वर्ग के लोगों के सम्मान को ठेस पहुंचाता है। उनकी 26 जून 2025 को लिखी गई चिट्ठी 30 जून 2025 को प्रधानमंत्री कार्यालय में प्राप्त हुई। जिसमें उन्होंने बताया कि यह नाम, हालांकि अच्छे इरादों से शुरू किया गया, लेकिन यह सामाजिक रूप से अपमानजनक है।

उन्होंने कहा कि मेहनतकश मध्यम वर्ग और निम्न-मध्यम वर्ग के लोग, जिसमें किसान, शिक्षक, पेशेवर, कामकाजी महिलाएं और छात्र शामिल हैं, ये सभी देश की प्रगति की रीढ़ हैं। इन्हें सम्मान और मान्यता मिलनी चाहिए, न कि ऐसा नाम जो उन्हें अपमानित करें।

ट्रक के नीचे आकर युवक का सुसाइड

- ट्रक के चलने का ही कर रहा था इंतजार
- तीन सेकेंड में ही मौत

अहमदाबाद. गुजरात के अहमदाबाद शहर में एक युवक ने बुधवार सुबह ट्रक के नीचे कूदकर सुसाइड कर लिया। युवक ट्रक के पास खड़े होकर उसके चलने का ही इंतजार कर रहा था। जैसे ही ट्रक आगे बढ़ा। उसके नीचे लेट गया और तीन-चार सेकेंड में ही उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मामला दर्ज आगे की जांच शुरू कर दी है। शहर के निकोल इलाके में हुई सुसाइड की यह घटना होटल में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई थी। वीडियो में देखा जा सकता है कि युवक ट्रक के पास खड़े होकर उसके स्टार्ट होने का ही इंतजार कर रहा है। जैसे ही ट्रक आगे बढता है। युवक फुर्ती से उसके पहियों के बीच में लेट जाता है और उसकी मौत हो जाती है। ओढव पुलिस थाने के पीआई पीएन जिंजुवाडिया ने बताया कि बुधवार सुबह निकोल इलाके में पाम होटल के पास यह युवक पहुंचा था। वह ड्राइवर के ट्रक में बैठते ही उस ट्रक के पास पहुंच गया था। ट्रक के चलते ही उसके नीचे लेट गया। मृतक युवक के पास से कोई पहचान पत्र न मिलने से उसकी पहचान नहीं हो सकी है। युवक की उम्र 35 साल के करीब है।

डीके की जोर-आजमाइश से बेफिक्र सिद्धारमैया

- बोले- CM तो पूरे 5 साल रहूंगा

बंगलूरु. कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया का कहना है कि वह पूरे 5 साल मुख्यमंत्री बने रहेंगे। उनका यह बयान डीके शिवकुमार और उनके समर्थकों के लिए झटका है, जो मंगलवार तक दावा कर रहे थे कि 100 विधायक उनके साथ हैं। शिवकुमार समर्थकों का कहना था कि यह सबसे सही समय है, जब मुख्यमंत्री बदल दिया जाए। ऐसा नहीं हुआ तो फिर अगले चुनाव में कांग्रेस के लिए जीतना मुश्किल होगा। बुधवार को सिद्धारमैया ने कहा, 'हां मैं मुख्यमंत्री हूं। आखिर आपको कोई संदेह क्यों है?' उनसे पूछा गया कि भाजपा और जेडीएस की ओर से दावा किया जा रहा है कि जल्दी ही बदलाव होना है। इस पर सिद्धारमैया ने कहा कि क्या हमारे हाईकमान ये लोग हैं।

एक तरफ सिद्धारमैया ने सीएम पद पर बने रहने की बात कही है तो डीके शिवकुमार का खेमा अब नरम पड़ता दिख रहा है। यहां तक कि शिवकुमार ने अब अपने ही समर्थकों के बयान पर ऐतराज जता दिया है। उन्होंने कहा है कि वह विधायक इकबाल हुसैन को कारण बताओ नोटिस जारी करेंगे। इकबाल हुसैन ने ही दावा किया था कि हमारे पास 100 विधायकों का समर्थन है, जो चाहते हैं कि डीके शिवकुमार को ही सीएम बना दिया जाए। हुसैन का कहना था कि हमारी यह मांग है और हम इस मसले को हाईकमान के सामने भी रखेंगे।

हुसैन को लेकर शिवकुमार ने कहा, 'विधायकों में कोई असंतोष या खींचतान नहीं है। हम सभी विधायकों की जिम्मेदारी और जवाबदेही तय कर रहे हैं। मैं इकबाल हुसैन को नोटिस जारी करूंगा। इसके अलावा ऐसे अन्य विधायकों से भी बात करूंगा, जो पार्टी लाइन से अलग बात कर रहे हैं।' दरअसल डीके शिवकुमार गुट की जोर-आजमाइश सोनिया गांधी और राहुल गांधी के दरबार तक पहुंची थी।

कांवड़ियों का ट्रक टिहरी में पलटा, 3 की मौत

- बुलंदशहर से गंगोत्री जल भरने जा रहे थे
- पुलिस और SDRF रेस्क्यू में जुटी; 14 घायल

देहरादून. यूपी के कांवड़ियों का ट्रक उत्तराखंड में पलट गया। हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई, 14 घायल हैं। बताया जा रहा है कि कांवड़िए बुलंदशहर से गंगोत्री जल भरने जा रहे थे। बुधवार सुबह करीब 10 बजे नरेंद्र नगर के पास ऋषिकेश-टिहरी मार्ग पर जाजल

फकोट के पास ट्रक पलट गया।

सभी 21 कांवड़िए ट्रक के नीचे दब गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ट्रक सड़क किनारे पलट था, अगर खाई में गिर जाता तो बड़ा हादसा हो जाता। हादसे के सूचना पर स्थानीय पुलिस और SDRF की टीम मौके पर पहुंची है। रेस्क्यू अभियान चलाकर बचाव कार्य में जुटी है।

प्रभारी निरीक्षक नरेंद्र नगर संजय मिश्रा ने बताया- एक चार साल का बच्चा भी ट्रक में आगे फंसा था जिसको कि पुलिस ने सकुशल बाहर निकाल लिया है। घटना के बाद टिहरी की डीएम नीतिका खंडेलवाल भी मौके पर पहुंचीं। 2 घायलों को एम्स ऋषिकेश रेफर किया गया है, जबकि अन्य का नरेंद्र नगर के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में इलाज चल रहा है।

सभी कांवड़िए बुलंदशहर के रहने वाले

कांवड़िए बुलंदशहर के सिकंद्राबाद के हैं। ये सभी मोहल्ला कास्तवाड़ा के सैनियों की बड़ी चौपाल में रहते हैं। बताया कि मोहल्ले के ही करीब 21 लोग ट्रक संख्या UP-13-BT-8739 से गंगोत्री के लिए जा रहे थे। ये लोग हर साल वहां जाते हैं। अचानक ट्रक ऋषिकेश-टिहरी मार्ग पर जाजल फकोट के पास पलट गई।

शमी अपनी पत्नी-बेटी को हर महीने देंगे 4 लाख

- कोलकाता हाईकोर्ट का आदेश
- पिछले 7 साल से लागू होगा फैसला

मोहम्मद शमी को कोलकाता हाईकोर्ट ने तलाक में अपनी पत्नी से अलग रहे हसीन जहां और बेटी आयरा को हर महीने 4 लाख रुपए देने का आदेश दिया है। मोहम्मद शमी को ये रुपए महीने के मेंटेनेंस के लिए देने होंगे। शमी के इस केस की सुनवाई 21 अप्रैल, 2025 को हुई थी, जिस पर 1 जुलाई, 2025 को फैसला आया। आदेश के मुताबिक हसीन जहां को 1.50 लाख रुपए और बेटी आयरा को 2.50 लाख रुपए प्रतिमाह मिलेंगे। यह राशि पिछले सात साल से लागू होगी। वहीं, निचली अदालत को छह महीने में मामले का निपटारा करने का निर्देश दिया गया है।

क्या है मामला?

कोलकत्ता हाईकोर्ट ने निचली अदालत को भी अगले छह महीने के अंदर इस केस को डिस्पोजल करने का आदेश दिया है। मोहम्मद शमी और हसीन जहां का निकाह 7 अप्रैल, 2014 में हुआ था। शादी के करीब एक साल बाद 17 जुलाई, 2015 को दोनों के एक बेटी ने जन्म लिया। शमी को बेटी आयरा के होने के बाद पता चला कि हसीन जहां पहले से शादी-शुदा थी और उसके पहली शादी से दो बच्चे भी थे। मोहम्मद शमी की पत्नी ने क्रिकेटर और उनके परिवार पर हिंसा करने का आरोप लगाया। इसके बाद 2018 से ही इस मामले में सुनवाई चल रही है। इस पर फैसला पहले ही आ चुका है। लेकिन शमी की पत्नी को मिलने वाली राशि कम लग रही थी, इसलिए उन्होंने कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था।

सांसद चंद्रशेखर को मिली मारने की धमकी

बिजनौर. आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के नगीना के सांसद चंद्रशेखर आजाद को व्हाट्सऐप पर कथित तौर पर जान से मारने की धमकी मिली है।

धमकी मिलने की जानकारी सांसद की ओर से पुलिस को दी गई। इसके बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। नगीना थाना प्रभारी (एसएचओ) तेजपाल सिंह के अनुसार, पार्टी कार्यकर्ता शेख परवेज ने एक लिखित शिकायत दर्ज कराई है, जिसमें कहा गया है कि पार्टी के हेल्पलाइन व्हाट्सऐप नंबर पर सांसद चंद्रशेखर आजाद को 10 दिनों के भीतर जान से मारने की धमकी वाला संदेश मिला है।

प्लेन के एक नहीं, फेल हो गए थे दोनों इंजन

- शुरुआती जांच से मिले संकेत

अहमदाबाद. अहमदाबाद से लंदन जा रही एअर इंडिया की फ्लाइट AI-171 के भीषण हादसे की शुरुआती जांच में इस दुर्घटना के कारणों को लेकर बड़ा खुलासा हुआ है। शुरुआती जांच में इस बात की संभावना जताई जा रही है कि दोनों इंजनों के फेल हो जाने के कारण यह दुर्घटना हुई थी। एअरक्राफ्ट एक्सिडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो (AAIB) के सूत्रों ने इसकी जानकारी दी है।

आपको बता दें कि इस विमान हादसे में 241 यात्री और मेडिकल कॉलेज के छात्रों समेत कुल 270 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई।

टेकऑफ के कुछ ही सेकंड बाद विमान ऊंचाई नहीं पकड़ सका और सीधे एक मेडिकल कॉलेज की छत पर गिर गया। जांच में सामने आया है कि Ram Air Turbine (RAT) केवल तब सक्रिय होती है जब दोनों इंजन बंद हो जाते हैं। हादसे से ठीक पहले यह सक्रिय हो गई थी।प्रारंभिक जांच के मुताबिक, विमान में दो जनरल इलेक्ट्रिक (जीई) इंजन लगे थे। एएआईबी इस बात की

जांच कर रहा है कि क्या बिजली की खराबी, ईंधन में मिलावट या इंजन नियंत्रण प्रणाली की विफलता के कारण एक साथ बिजली चली गई। जीई ने फिलहाल इस रिपोर्ट पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया है। एअर इंडिया ने भी कुछ बयान नहीं दिया है। एअर इंडिया द्वारा किए गए उड़ान सिमुलेशन में टेकऑफ के दौरान बोइंग 787 के लैंडिंग गियर और विंग फ्लैप वापस खींचे गए थे।

वीडियो फुटेज से पुष्टि होती है विमान उड़ान भरने के बाद ऊंचाई पर नहीं जा सका और सीधा नीचे गिरा। वहीं, RAT की तैनाती दर्शाती है कि दोनों इंजन फेल हो चुके थे जो एक बेहद दुर्लभ स्थिति है।

फिलहाल दो स्तर पर जांच जारी है। AAIB की तकनीकी टीम जांच कर रही है, जिसमें विमान के इंजन की विफलता और सिस्टम की पड़ताल की जांच की जा रही है। वहीं गृह सचिव के नेतृत्व में अलग जांच हो रही है जो मानवीय भूल या सुरक्षा में चूक की जांच पर केंद्रित है।

सीनियर एडवोकेट ने वर्चुअल सुनवाई के दौरान बीयर पी

- गुजरात हाईकोर्ट का मामला
- कोर्ट की अवमानना का मामला शुरू

गुजरात हाईकोर्ट में वर्चुअल सुनवाई के दौरान एक सीनियर एडवोकेट के बीयर पीने का वीडियो सामने आया है। मामले का नोटिस लेते हुए हाईकोर्ट ने सोमवार को वकील के खिलाफ अदालत की अवमानना की कार्यवाही शुरू कर दी। वीडियो 26 जून का है। इसमें सीनियर एडवोकेट भास्कर तन्ना जस्टिस संदीप भट्ट के सामने मग से बीयर पीते दिख रहे हैं। अवमानना कार्यवाही कर रही जस्टिस एएस सुपेहिया और जस्टिस आरटी वच्छानी की बेंच ने तन्ना के आचरण को अपमानजनक बताया। अवमानना कार्यवाही के दौरान तन्ना बेंच के सामने वर्चुअली पेश न हों, कोर्ट ने इसके लिए भी आदेश दिया। कोर्ट ने कहा कि आदेश हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस के सामने रखा। अगर वे अनुमति देते हैं तो इसे अन्य बेंचों के पास भी भेजा जाएगा। बेंच ने तन्ना को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए हैं।

संक्षेप...

हत्या के बाद फरार आरोपी दिल्ली से गिरफ्तार

ठाणे. महाराष्ट्र पुलिस ने ठाणे जिले में एक व्यक्ति की कथित रूप से हत्या करने के बाद 13 साल से फरार 34 वर्षीय आरोपी को नयी दिल्ली से गिरफ्तार कर लिया गया। एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि मीरा-भायंदर वसई-विरार (एमबीवीवी) पुलिस की एक टीम ने 2012 के एक हत्या मामले में गोविंद कुमार जगतनारायण चौधरी को नयी दिल्ली के नया बाजार से पकड़ा।

MNS कार्यकर्ताओं ने गुजराती दुकानदार को पीटा

- दुकानदार ने पूछा था- मराठी बोलना क्यों जरूरी है?
- काशीमीरा थाने में MNS के 7 कार्यकर्ताओं के खिलाफ केस दर्ज

ठाणे. महाराष्ट्र के ठाणे में राज ठाकरे की पार्टी महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (MNS) के कार्यकर्ताओं ने एक गुजराती दुकानदार की पिटाई कर दी।

दुकानदार ने उनसे सिर्फ इतना पूछा था कि मराठी बोलना जरूरी क्यों है। इसके जवाब में कार्यकर्ता उससे कहते हैं कि ये महाराष्ट्र है, इसलिए यहां मराठी बोलना ही होगा। इस घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। इसके बाद मंगलवार को पुलिस ने काशीमीरा थाने में MNS के सात कार्यकर्ताओं के खिलाफ केस दर्ज किया है।

पहले कार्यकर्ताओं ने दुकानदार को धमकाया, फिर थप्पड़ मारे

वीडियो में MNS के कई कार्यकर्ता दुकानदार को घेरकर उससे बहस करते दिख रहे हैं। एक सदस्य दुकानदार से कहता है, 'तुमने मुझसे पूछा कि मराठी क्यों बोलनी चाहिए? जब तुम्हें परेशानी थी, तब तुम MNS ऑफिस आए थे।'

दुकानदार ने जवाब में कहा कि उसे नहीं पता था कि मराठी बोलना अब जरूरी हो गया है। इस पर एक कार्यकर्ता गाली देते हुए दुकानदार को धमकाता है कि उसे इस इलाके में कारोबार नहीं करने दिया जाएगा।

जब दुकानदार कहता है कि उसे मराठी सीखनी पड़ेगी, तो एक MNS सदस्य कहता है, 'हां, ऐसा कहो। लेकिन ये क्यों पूछ रहे हो कि मराठी क्यों सीखनी चाहिए? ये महाराष्ट्र है। महाराष्ट्र में कौन-सी भाषा बोली जाती है?'

जब दुकानदार कहता है- 'सभी भाषाएं', तो एक व्यक्ति उसे थप्पड़ मारता है, फिर दूसरा व्यक्ति भी उसे दो बार थप्पड़ मारता है। दुकानदार कुछ समझाने की कोशिश करता है, लेकिन उसे चार बार और थप्पड़ मारे जाते हैं।

ठाणे जिला परिषद के अंतर्गत

कृषि दिवस व किसान अभिनंदन समारोह संपन्न

ठाणे. कृषि दिवस के अवसर पर जिला परिषद ठाणे व कृषि विभाग महाराष्ट्र सरकार द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित कृषि दिवस व किसान अभिनंदन समारोह 1 जुलाई को नियोनोज भवन जिलाधिकारी कार्यालय में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।किसानों को केवल पारंपरिक कृषि पर निर्भर रहने के बजाय पूरक व्यवसायों पर ध्यान केंद्रित करना समय की मांग है। कृषि के साथ-साथ पशुपालन, मुर्गीपालन और मत्स्यपालन जैसे पूरक व्यवसायों को अपनाने से आर्थिक स्थिरता मिलती है। उत्पादन बढ़ाने के लिए आधुनिक तकनीक, नवाचार, जैविक खेती और ड्रिप सिंचाई जैसी पद्धतियों का उपयोग करना चाहिए। कृषि को व्यवसाय के रूप में देखने की जरूरत है। अगर किसानों को सशक्त बनाया जाए तो ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत होगी। यह मार्गदर्शन अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी अजिंक्य पवार ने दिया। कार्यक्रम में अतिरिक्त जिलाधिकारी हरिश्चंद्र पाटिल, निवासी उपजिलाधिकारी संदीप माने, मुख्य लेखा व वित्त अधिकारी वैजनाथ बुराडकर, जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. गंगाधर परगे, उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी अविनाश फड़तरे, कृषि विकास अधिकारी मुनीर बछोटिकर, पशुपालन अधिकारी डॉ. कीर्ति दोईजोड़े, उप मुख्य लेखा अधिकारी अंजलि आंबेकर, लेखा अधिकारी (2) रामविद्र सपकाले के साथ ही कृषि विभाग के अधिकारी-कर्मचारी, किसान बड़ी संख्या में उपस्थित थे। कार्यक्रम की शुरुआत गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति में दीप प्रज्वलन और प्रतिमा पूजन से हुई। जिला कृषि अधीक्षक रामेश्वर पाचे ने प्रस्तावना प्रस्तुत की।

इस अवसर पर कृषि विभाग की विभिन्न गतिविधियों पर आधारित पत्रिका और पुस्तिका का विमोचन अतिथियों द्वारा किया गया। कार्यक्रम में ठाणे जिले के 36 प्रगतिशील किसानों को सम्मानित किया गया। साथ ही विशेषज्ञ मार्गदर्शकों ने विभिन्न कृषि विषयों पर जानकारीपूर्ण सत्र आयोजित किए।

20 साल से सेवा कर रहे हैं, फिर भी संविदा पर!

- राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन कर्मचारियों का गुस्सा
- ठाणे में जिलाधिकारी कार्यालय के सामने विरोध प्रदर्शन

ठाणे. राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के तहत काम करने वाले हजारों संविदा कर्मचारियों ने आखिरकार आज राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन एकीकरण समिति के माध्यम से सरकार की उदासीनता के खिलाफ ठाणे में जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। पिछले पंद्रह से बीस सालों से स्वास्थ्य व्यवस्था की रीढ़ रहे यह कर्मचारी आज भी संविदा पर काम कर रहे हैं और सरकार की अनदेखी के कारण उनकी जायज मांगों को नजरअंदाज किया जा रहा है।सोमवार को ठाणे जिलाधिकारी कार्यालय के सामने एकत्र हुए यह अधिकारी और कर्मचारी अपनी पांच मुख्य मांगों को लेकर शांतिपूर्ण लेकिन दृढ़ विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। उनकी मांग है कि सरकार अब जागे और वर्षों से सेवा कर रहे इन कर्मचारियों को उनका उचित स्थान और सम्मान दे। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन एकीकरण समिति ने मांग की है कि इस बार विरोध प्रदर्शन कर रहे कर्मचारियों की मुख्य मांगें हैं। समिति के राज्य समन्वयक मनीष खैरनार ने कहा कि औरंगाबाद उच्च न्यायालय के फैसले को लागू किया जाए, कर्मचारियों का समायोजन 14 मार्च 2024 के सरकारी फैसले के अनुसार तुरंत किया जाए, एनएचएम कर्मचारियों के मानदेय में 10% की वृद्धि की जाए, साथ ही नियमित कर्मचारियों की तरह 5% की वार्षिक वृद्धि की जाए, सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों के लिए एकमुश्त स्थानांतरण नीति लागू की जाए और सभी कर्मचारियों के लिए बीमा और भविष्य निधि (ईपीएफ) योजना लागू की जाए। कर्मचारियों ने यह स्पष्ट कर दिया है कि जब तक ठोस कार्रवाई नहीं की जाती है, वे अपनी लड़ाई नहीं रोकेंगे। अगर सरकार तुरंत ध्यान नहीं देती है और निर्णय नहीं लेती है तो पूरे राज्य में जोरदार विरोध प्रदर्शन शुरू करने की चेतावनी दी गई है। इस बार विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व समिति के मनीष खैरनार, जयवंत विश, प्रदीप पाटिल आदि ने किया।

जून के वेतन के साथ यात्रा भत्ते के 60 हजार मिले

- ठाणे मनपा के पांच हजार कर्मचारियों को राहत

ठाणे. मनपा कर्मचारियों की विभिन्न समस्याओं को लेकर मनपा में आयोजित अधिकारियों की बैठक में विधायक संजय केलकर द्वारा की गई चर्चा के अनुसार कई समस्याओं का समाधान हुआ है और लगभग साढ़े पांच हजार कर्मचारियों को जून के वेतन के साथ यात्रा भत्ते के 60 हजार रुपए मिलने से खुशी का माहौल है।

2 जनवरी 2025 को स्थायी समिति हॉल में आयोजित बैठक में अतिरिक्त आयुक्त प्रशांत रोडे, मुख्य लेखा एवं वित्त अधिकारी दिलीप सूर्यवंशी, उपायुक्त (मुख्यालय) जी.जी. गोदापुरे, उपायुक्त (स्वास्थ्य विभाग) उमेश बिरारी, उपायुक्त (सुरक्षा विभाग) सचिन सांगले और कार्मिक अधिकारी दयानंद गुंडप उपस्थित थे।इस बैठक में विधायक संजय केलकर ने मनपा के अधिकारियों और कर्मचारियों को यात्रा भत्ते में अंतर की राशि का भुगतान करने के निर्देश दिए थे। संबंधित अधिकारियों ने कहा था कि निधि की उपलब्धता के अनुसार भत्ते में अंतर की राशि देने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

प्रभाग रचना के समय 'आई टू आर' का विचार करें : इंदीसे

- बढ़ती जनसंख्या के अनुसार वार्डों की संख्या बढ़ाएँ

ठाणे. उच्च न्यायालय के आदेश के बाद पिछले तीन से छह वर्षों से विलंबित स्थानीय निकाय चुनाव की प्रक्रिया शुरू हो गई है। हालांकि वार्डों का गठन 2017 के अनुसार ही किया जाएगा। बढ़ते शहरीकरण और उसके परिणामस्वरूप जनसंख्या में वृद्धि को देखते हुए, वार्ड गठन की ऐसी पद्धति अनुचित होगी। इसलिए, बढ़ती जनसंख्या के अनुपात में वार्डों की संख्या बढ़ाई जानी चाहिए और प्रत्येक महानगर पालिका में अनुसूचित जाति के वार्डों की संख्या में वृद्धि की जानी चाहिए, ऐसी मांग रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया - एकतावादी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नानासाहेब इंदीसे ने एक पत्रकार सम्मेलन में की। इस संबंध में उन्होंने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, अजितदादा पवार, सामाजिक न्याय मंत्री संजय शिरसाट से मुलाकात की है और उन्होंने भी इस मांग का समर्थन किया।विभिन्न स्थानीय निकायों के आगामी चुनावों की पृष्ठभूमि में वार्डों का गठन शुरू हो गया है।लेकिन वार्डों का यह गठन वर्ष 2017 के अनुसार किया जाएगा, इसलिए नानासाहेब इंदीसे ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में इस पर अपना पक्ष रखा। इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष विकास निकम भी मौजूद थे। इंडिसे ने कहा कि महाराष्ट्र सरकार ने 10 जून को एक अध्यादेश जारी किया है कि महाराष्ट्र में नगर निगमों के चुनावों के लिए वर्ष 2017 के अनुसार वार्डों का गठन किया जाएगा, जो कि ज्यादातर लोगों, मतदाताओं, जनप्रतिनिधियों और नगर निगमों में अनुसूचित जाति वर्ग के साथ अन्याय है।

होलकरकालीन संरचनाओं की जीर्ण-शीर्ण स्थिति

- धनगर प्रतिष्ठान ने मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपकर संरक्षण की मांग

उल्हास विकास संवाददाता

ठाणे. धनगर प्रतिष्ठान महाराष्ट्र राज्य व ठाणे जिला संगठन ने गंभीर आरोप लगाया है कि पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होलकर द्वारा महाराष्ट्र के विभिन्न भागों में निर्मित अनेक ऐतिहासिक एवं धार्मिक संरचनाएं आज अत्यंत जर्जर स्थिति में हैं, तथा इन संरचनाओं का समुचित संरक्षण न किए जाने के कारण इनका इतिहास नष्ट होने के कगार पर है। इस संबंध में संगठन की ओर से मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक, ग्राम विकास मंत्री जयकुमार गोरे, सांसद नरेश म्हास्के, सांसद सुरेश म्हात्रे, विधायक संजय केलकर, विधायक निरंजन डावखरे, विधायक किसन कथोरे एवं अन्य प्रमुख नेताओं को विस्तृत ज्ञापन सौंपा गया है। इस अवसर पर धनगर प्रतिष्ठान के अध्यक्ष दीपक कुरकुंडे, कार्यकारिणी सदस्य अविनाश लाबडे, संतोष दगडे एवं अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

ऐतिहासिक धरोहरों का संरक्षण समय की मांग

जबकि देशभर में पुण्यश्लोक अहिल्यादेवी होलकर की 300वीं जयंती मनाई जा रही है, उनके कार्यों और सामाजिक प्रतिबद्धता का प्रतीक ढाँचे उपेक्षित और जीर्ण-शीर्ण अवस्था में हैं। कुछ स्थानों पर किले और किले ढह रहे हैं, और बाराव, वेड, अन्नचत्र, घाट, कुएँ, धर्मशालाएँ आदि ढाँचों की सफाई, मरम्मत और रखरखाव नहीं किया गया है।धनगर प्रतिष्ठान ने कई जिलों में जीर्ण-शीर्ण ढाँचों की सूची तैयार की है, जिसमें महाराष्ट्र में कई स्थानों पर होल्कर-कालीन ढाँचों की जीर्ण-शीर्ण स्थिति को उजागर किया गया है।

31 लाख रुपये की चरस के साथ युवक गिरफ्तार

ठाणे. महाराष्ट्र के ठाणे शहर में अपराध शाखा ने बिहार निवासी एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर उसके पास से तीन किलोग्राम चरस बरामद की है, जिसकी कीमत करीब 31 लाख रुपये बताई गई है। एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस उपायुक्त (अपराध) अमरसिंह जाधव ने संवाददाताओं को बताया कि अपराध शाखा द्वारा जाल बिछाकर सोमवार को कोपरी इलाके में मादक पदार्थ जब्त किया गया। डीसीपी ने कहा, 'आरोपी अपने ग्राहकों को चरस बेचने के लिए एक होटल के सामने पहुंचने वाला था। हमारी टीम ने जाल बिछाया और संदिग्ध को मौके पर ही पकड़ लिया।'

गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान बिहार के छपरा निवासी मोहम्मद अफताब आलम मोहम्मद सलीम अख्तर (34) के रूप में हुई है। डीसीपी ने बताया कि आरोपी के पास से 3.096 किलोग्राम चरस बरामद की गई , जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत 30,96,000 रुपये है। इसके अलावा, पुलिस ने उसके पास से मोबाइल फोन, नकदी और अन्य सामान मिलाकर कुल 31,07,500 रुपये की सामग्री जब्त की है। कोपरी पुलिस थाने में आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया गया है।

ट्रेन रोकने के आरोप में 68 यात्रियों के खिलाफ मामला दर्ज

भिवंडी. भिवंडी में ट्रेन सेवा में लगातार देरी का आरोप लगाते हुए ट्रेन को रोकने के आरोप में सात महिलाओं सहित 68 यात्रियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। यहां एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। भिवंडी रोड स्टेशन पर सोमवार रात हुई इस घटना के कारण ट्रेन करीब 40 मिनट देरी से चली। डोंबिवली में राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) के अधिकारी के अनुसार, पनवेल-दहानू 'मेनलाइन इलेक्ट्रिक मल्टीपल यूनिट' (मेमू) अपने निर्धारित समय रात आठ बजकर पांच मिनट के बजाय रात नौ बजकर आठ मिनट पर स्टेशन पहुंची। यात्रियों के एक समूह ने निर्धारित समय से बार-बार देरी से चलने का आरोप लगाते हुए ट्रेन के सामने विरोध प्रदर्शन किया।

जीआरपी के अधिकारी ने कहा, ''पनवेल-दहानू मेमू ट्रेन पालघर, दहानू, बोइसर और नौकरी से संबंधित मुख्य केंद्रों जैसे ठाणे, भिवंडी और पनवेल के बीच यात्रा करने वाले दैनिक यात्रियों के लिए महत्वपूर्ण है।

स्वतंत्र सैनिक हकीम अजमल खान अस्पताल सुविधा विहीन

ठाणे. शहर स्थित कौसा में मनपा का स्वतंत्र सैनिक हकीम अजमल खान अस्पताल चल रहा है।लेकिन इस अस्पताल में मरीजों को सुविधाओं से वंचित रखा जाता है।नतीजतन मरीजों को सीधे छत्रपति शिवाजी महाराज अस्पताल या सिविल अस्पताल जाना पड़ता है।अस्पताल में मरीजों की जान से खेलने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए यह मांग राकांपा पार्टी के कलवा-मुंब्रा अध्यक्ष शमीम खान ने की है।विधायक डॉ. जितेंद्र आव्हाड के आदेश पर शमीम खान ने आयुक्त सौरव राव से मुलाकात की और यह मांग की।खान ने आवेदन पत्र देकर आयुक्त राव को बताया कि इस अस्पताल में अक्सर दुर्घटना के शिकार लोग इस उम्मीद से आते हैं की सही उपचार होगा। लेकिन, यहां पुलिस चौकी नहीं होने के कारण दुर्घटना के शिकार लोगों को भर्ती नहीं किया जाता है। इस अस्पताल में न केवल चिकित्सा अधिकारी अनुपस्थित रहते हैं, बल्कि दवाओं का स्टॉक भी अपर्याप्त है। नतीजतन स्वस्थ मरीजों की हालत भी गंभीर हो जाती है। विशेषज्ञ डॉक्टर उपलब्ध नहीं होने के कारण, रेजिडेंट डॉक्टर मरीजों का इलाज कर रहे हैं। शिशु रोग विशेषज्ञ हमेशा अनुपस्थित रहते हैं। खान ने मांग की कि संबंधित लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाए क्योंकि इस अस्पताल का प्रशासन भी कमजोर है।

आम सूचना

मैं श्री रतन श्याम सुंदर सिंह सभी को सूचित कर रहा हूं कि शॉप, ग्राऊंड व पहला माला, रुम नं. 2, शिव कालोनी, बैरक नं. 1968 के सामने, ओटी सेक्शन, उल्हासनगर- 5. (टैक्स नं. 57डीओ012329600) उक्त प्रॉपर्टी श्री मनिष राजकुमार वाधवानी के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 30.6.2025 द्वारा खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहता हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री रतन श्याम सुंदर सिंह

आम सूचना

हम श्री मुबारक गुलाब मुल्ला व श्रीमती जयादा मुबारक मुल्ला सभी को सूचित कर रहे हैं कि रुम नं. 3, चालता नं. 497, शीट नं. 5, बैरक नं. 1261 के पास, मराठी स्कूल के पास, उल्हासनगर- 4. (टैक्स नं. 43सीओ009810500) उक्त प्रॉपर्टी श्री अनिल जे. देशमुख के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 29.6.2025 द्वारा खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद हम अपने नाम करवाना चाहते हैं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री मुबारक गुलाब मुल्ला व
श्रीमती जयादा मुबारक मुल्ला

आम सूचना

इस आम सूचना द्वारा मैं श्रीमती कविता सीतलदास शेवारामानी सभी को सूचित कर रही हूं कि मेरे पति श्री सीतलदास टोपणदास शेवारामानी का देहांत 1 अप्रैल 2025 को हो गया है. उनके नाम पर तीन गाड़ियां जिनमें आय10 कार नं. एमएच05 डीसी 9090, एक्टिवा एमएच05 डीसी 1809 व बुलेट एमएच05 डीएन 4590 है जिसे अब मेरे नाम पर परिवर्तन करने के लिए कल्याण आर.टी.ओ. कार्यालय में आवेदन दे दिया है. उपरोक्त गाड़ियों पर किसी को किसी भी प्रकार की आपत्ति हो जैसे विक्री व्यवहार, खरीदी व्यवहार, गिरवी, दान बक्षीस, वारण, लीज तथा अन्य कोई लेन देन हो तो इस आम सूचना के प्रकाशित होने के 7 दिन के भीतर अपनी आपत्ती आर.टी.ओ. कार्यालय, कल्याण में दर्ज कराएं। अन्यथा मेरे श्रीमती कविता सीतलदास शेवारामानी के नाम पंजीकरण कर दिया जाएगा.

सही/-
श्रीमती कविता सीतलदास शेवारामानी

77 साल की मुमताज करवाती हैं फेस फिलर्स

- कहा- प्लास्टिक सर्जरी करवानी पड़ी तो मैं कर लूंगी

कई एक्ट्रेसेस फिलर्स या फेस सर्जरी करवाती हैं। अब 1960 से 70 दशक की एक्ट्रेस मुमताज ने अपने फिटनेस रूटीन की बात की और साथ ही कॉस्मैटिक फिलर्स को लेकर भी अपनी बात रखी। मुमताज ने बताया कि कैसे 77 साल की उम्र में उन्होंने खुद को फिट रखा है। इसके अलावा उनका मानना है कि खूबसूरती को मेंटेन रखने के लिए जो लोग सर्जरी भी करवाते हैं वो भी गलत नहीं है।

कैसे रखती हैं खुद को फिट

मुमताज ने बॉम्बे टाइम्स को दिए इंटरव्यू में कहा, 'मैं 7 बजे खाना खाती हूं, 1 घंटे तक वर्कआउट करती हूं और फिर प्रॉपर डाइट फॉलो करती हूं। अगर आप वर्कआउट नहीं करोगे तो आप अच्छे नहीं दिखोगे।'

मुमताज ने आगे कहा, 'मैंने कभी फेसलिफ्ट नहीं किया है, लेकिन कभी जब मैं बहुत थक जाती हूं तो अपने चेहरे के राइट और लेफ्ट साइड फिलर्स करवाती हूं। उससे चल जाता है 1-2 महीना। मैं 4 महीने में एक बार करवाती हूं। अभी तक सर्जरी की जरूरत नहीं लगी है मुझे।'

मुमताज ने आगे यंग एक्ट्रेसेस जो प्लास्टिक सर्जरी करवाती हैं इस पर कहा, 'अगर आपको लगता है कोई चीज कम है तो आप उसे ठीक कर सकते हो। ये कोई क्राइम नहीं है। सब अच्छा और खूबसूरत दिखना चाहते हैं। अगर मुझे लगा कि मुझे कुछ करवाने की जरूरत है, मैं भी कर सकती हूं। अगर मुझे प्लास्टिक सर्जरी भी करनी पड़ी तो मैं कर लूंगी। अगर इससे मैं और खूबसूरत हो सकती हूं तो क्यों नहीं।'

मुमताज की फिल्मों की बात करें तो वह लास्ट साल 1990 में रिलीज हुई फिल्म आंधियां में नजर आए थे। शादी के बाद उन्होंने एक्टिंग छोड़ दी थी।

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099